हिन्दी दैनिक

R.N.I.NO.UPHIN/2014/59804

प्रयाग दर्पण

वर्ष : 08 | अंक : 133 | प्रयागराज, सोमवार 22 अगस्त , 2022 | हिन्दी दैनिक | पृष्ठ–4 | मूल्य : 2 रुपया

शराब घोटाले में केजरीवाल को क्यों घेर रही है भाजपा

नई दिल्ली। दिल्ली शराब घोटाले में सीबीआई द्वारा दर्ज की गई एफआईआर में आरोपी नंबर वन मनीष सिसोदिया हैं लेकिन भाजपा लगातार इस घोटाले को लेकर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साध रही है। भाजपा के राष्ट्रीय दिग्गज नेता से लेकर दिल्ली प्रदेश के नेता तक सिसोदिया के साथ–साथ बल्कि यूं कहे कि कई बार सिसोदिया से ज्यादा अरविंद केजरीवाल पर अटैक करते नजर आते हैं। दरअसल, आम आदमी पार्टी का जन्म ही भ्रष्टाचार के खिलाफ चले अन्ना आंदोलन से निकल कर हुआ था। अन्ना आंदोलन के दौरान बनी छवि के सहारे ही अरविंद केजरीवाल लगातार दिल्ली में चुनाव दर चुनाव जीत रहे हैं और साथ ही पंजाब में सरकार बनाने के बाद अब राष्ट्रीय पार्टी बनने की ओर अग्रसर हैं। पार्टी के गठन से पहले ही अन्ना हजारे ने केजरीवाल का साथ छोड़ दिया और पार्टी के गठन के बाद विभिन्न वजहों से केजरीवाल के कई करीबी या तो पार्टी से निकाल दिए गए या खुद ही पार्टी छोड़ कर चले गए। ऐसे में पुराने दिग्गज सहयोगियों की बात की जाए तो आज केजरीवाल के साथ मिलकर दिल्ली में सरकार चलाने वाले मनीष सिसोदिया बचे हैं या फिर पार्टी संगठन को खड़ा करने की कोशिश में जुटे राज्य सभा सांसद संजय सिंह। हालांकि इसके बावजूद आम आदमी पार्टी के संगठन का ढांचा कहिए या काम करने का अंदाज, अरविंद केजरीवाल ही एकमात्र लोकप्रिय चेहरा नजर आते हैं और यही वजह है कि जिन–जिन राज्यों में आप विस्तार की कोशिश कर रही है वहां–वहां केजरीवाल ही पार्टी के पोस्टर बॉय हैं। शराब घोटाले में सीबीआई ने अरविंद केजरीवाल के पुराने सहयोगी और सबसे ज्यादा करीबी दिल्ली के मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को मुख्य आरोपी बना दिया और और अगर ऐसे में इस घोटाले की आंच अरविंद केजरीवाल तक पहुंची तो जिस छवि के सहारे वो लगातार चुनाव जीत रहे हैं या पार्टी के विस्तार के अभियान में लगे हैं, वह छवि तार–तार हो जाएगी। भ्रष्टाचार के खिलाफ जंग लड़कर राजनीति में आने वाले केजरीवाल भी अगर भ्रष्टाचार के मामले में ही फंसते नजर आए तो उनकी मुश्किलें निश्चित तौर पर बढ़ जाएगी। फिलहाल भले ही उनकी पार्टी उनका साथ देती नजर आ रही है लेकिन अगर केजरीवाल इस मामले में फंसते नजर आए तो आम आदमी पार्टी के लिए भी जवाब देना मुश्किल हो जाएगा। यही वजह है कि भाजपा लगातार, बार–बार सीधे केजरीवाल पर निशाना साध रही है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने शराब घोटाले के लिए सीधे–सीधे दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि मनीष सिसोदिया शराब घोटाले के आरोपी नंबर वन हैं लेकिन इस भ्रष्टाचार के किंगपिन (सरगना) अरविंद केजरीवाल हैं।

पाकिस्तान में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के भाषणों के सीधे प्रसारण पर रोक

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में मीडिया पर निगरानी रखने वाली संस्था ने सभी उपग्रह टेलीविजन चौनलों द्वारा पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के भाषणों के सीधे प्रसारण पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। यह कदम ऐसे वक्त में उठाया गया है, जब कुछ घंटों पहले खान ने इस्लामाबाद में एक रैली को संबोधित करते हुए सरकारी प्रतिष्ठानों और सरकारी अधिकारियों को धमकी दी थी। खान ने शनिवार को यहां एक जनसभा में शीर्ष पुलिस अधिकारियों, एक महिला मजिस्ट्रेट, पाकिस्तान के निर्वाचन आयोग और राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ मुकदमे दर्ज कराने की धमकी दी।

उन्होंने अपने सहयोगी शहबाज गिल के साथ हुए बर्ताव को लेकर यह धमकी दी, जिन्हें राजद्रोह के आरोपों में पिछले सप्ताह गिरफ्तार किया गया था। इस बीच, खान ने कहा कि वह आज यानी रविवार को रावलपिंडी के लियाकत बाग मैदान में एक रैली को संबोधित करेंगे।

कांग्रेस के नये अध्यक्ष के लिए चुनाव प्रक्रिया शुरू

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी के नये अध्यक्ष के लिए चुनाव की प्रक्रिया रविवार को शुरू हो गई। साथ ही, पार्टी के चुनाव प्राधिकरण ने कहा है कि वह 20 सितंबर तक नया प्रमुख चुने जाने के कार्यक्रम पर अडिग रहेगा। कांग्रेस के केंद्रीय चुनाव प्राधिकरण के अध्यक्ष मधुसूदन मिस्त्री ने बताया कि पार्टी अध्यक्ष के चुनाव की अंतिम तारीख को मंजूरी देना कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) पर निर्भर है, जो 21 अगस्त से 20 सितंबर के बीच कोई भी दिन हो सकता है। सीडब्ल्यूसी ने फैसला किया था कि 16 अप्रैल से 31 मई, 2022 तक प्रखंड समितियों और प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) के एक–एक सदस्य के लिए चुनाव होंगे। जिला समिति के अध्यक्ष और कार्यकारिणी का चुनाव एक जून से 20 जुलाई के बीच, पीसीसी प्रमुखों तथा अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) सदस्यों का चुनाव 21 जुलाई से 20 अगस्त 2022 के बीच और एआईसीसी के अध्यक्ष का चुनाव 21 अगस्त से 20 सितंबर के बीच होगा। मिस्त्री ने कहा, हम कार्यक्रम पर अडिग रहेंगे। हम पहले ही पार्टी नेतश्त्व को चुनाव कार्यक्रम भेज चुके हैं और सीडब्ल्यूसी की मंजूरी का इंतजार कर रहे हैं, जो कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव की अंतिम तारीख तय करेगी। यह पूछे जाने पर कि क्या प्रखंड, जिला और प्रदेश कांग्रेस समितियों के स्तर पर संगठनात्मक चुनाव संपन्न हो गए हैं, इसके जवाब में उन्होंने कहा कि प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। हालांकि, मिस्त्री ने कहा कि चुनाव प्राधिकरण एआईसीसी प्रतिनिधियों के चयन को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में है। ये प्रतिनिधि पार्टी के शीर्ष पद के लिए होने वाले महत्वपूर्ण चुनाव में मतदान करेंगे। उन्होंने कहा, कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) चुनाव की अंतिम तारीख को मंजूरी देगी। सोनिया गांधी और पार्टी का कहना है कि 20 सितंबर तक कांग्रेस को अपना नया अध्यक्ष मिल जाएगा। इस बीच, माना जा रहा है कि जी–23 समूह के नेता चुनाव प्रक्रिया और इसकी पारदर्शिता पर नजर रखे हुए हैं।

बिहार: राजद ने भाजपा पर तेज किए हमले, सुशील मोदी, राम सूरत राय पर साधा निशाना

पटना। ऐसे समय में, जब विपक्षी दलों के कई नेता राज्यों में केंद्रीय जांच एजेंसियों का सामना कर रहे हैं, बिहार में स्थिति बदल रही है। यहां भाजपा के कुछ नेता राजद के टारगेट लिस्ट में हैं, जिसने हाल ही में राज्य में सरकार बनाने के लिए जदयू के साथ गठबंधन किया है। राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी, विधायक नीरज कुमार बबलू और पूर्व भूमि सुधार एवं शिक्षा मंत्री राम सूरत राय जैसे भाजपा नेता राजद के टारगेट लिस्ट पर हैं। सुशील मोदी जमीन हड़पने के आरोप का सामना कर रहे हैं। नीरज कुमार बबलू आय से अधिक संपत्ति के आरोपों का सामना कर रहे हैं, जबकि राम सूरत राय राज्यमंत्री रहते हुए सर्कल अधिकारियों के ट्रांसफर–पोस्टिंग के आरोपों का सामना कर रहे हैं। पिछले शुक्रवार को राजद विधायक रामानंद यादव ने पूर्व डिप्टी सीएम सुशील मोदी पर जमीन हड़पने का गंभीर आरोप लगाया था। उन्होंने कहा कि सुशील मोदी बिहार के सबसे दबंगश और बाहुबली नेता हैं, जिन्होंने एक ईसाई परिवार की जमीन हड़प ली और एक मॉल बनवाया। यादव ने कहा, सुशील कुमार मोदी ने लोदीपुर और खेतान बाजार में जमीनें हड़पी। हम उनकी पत्नी, भाई और भाई की पत्नी और खुद के नाम पर दर्ज संपत्तियों की जांच करेंगे। यादव ने कहा, लोदीपुर में जमीन के मालिक दो व्यक्ति हैं और इसका एक मालिक दिल्ली में रहता है। फिर भी सुशील मोदी ने डिप्टी सीएम रहते हुए ईसाई परिवार की जमीन पर जबरन कब्जा कर लिया। परिसर में एक शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान था। हम मामले की जांच करेंगे। हालांकि, सुशील मोदी ने दावा किया कि उनका या उनके परिवार का इन दोनों जमीनों से कोई लेना–देना नहीं है। उन्होंने कहा कि राजद नेता से इन दोनों मामलों में मेरी भूमिका को साबित करके दिखाए। सुशील मोदी ने कहा, मैं राजद नेता को चुनौती देता हूं कि वह इन दोनों जमीनों से मेरे संबंध या मेरी भूमिका को साबित करें। अगर यह साबित हो जाता है, तो मैं ये जमीनें लालू प्रसाद के परिवार को देने को तैयार हूं।

दिल्ली के कई हिस्सों में भारी बारिश

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के मध्य हिस्से में रविवार को दोपहर बाद भारी बारिश हुई, जिससे लोगों को गर्मी और उमस से राहत मिली। भारी से हल्की बारिश लुटियन दिल्ली और बाराखंभा रोड, कनॉट प्लेस और मथुरा रोड जैसे इलाकों में हुई। इसकी वजह से कुछ इलाकों में ट्रैफिक जाम की स्थिति भी उत्पन्न हो गई।

स्मिता नामक एक यात्री ने बताया, ''मुझे अपराह्न ढाई बजे मथुरा रोड पहुंचना था और इसलिए मैं एक बजे नोएडा से निकली। दो बजे प्रगति मैदान पहुंचने के बावजूद मैं अपराह्न 2.45 बजे अपने गंतव्य तक पहुंच सकी। बारिश की वजह से सड़क बंद थी और इसकी वजह से मुझे मथुरा रोड के आसपास करीब 45 मिनट घूमना पड़ा।'' भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के मुताबिक दिल्ली में रविवार की सुबह उमस भरी रही और न्यूनतम तापमान 26.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आईएमडी ने कहा कि रविवार सुबह साढ़े आठ बजे सापेक्ष आर्द्रता 83 प्रतिशत रही।

अमित शाह सोमवार को भोपाल में मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक की अध्यक्षता करेंगे

नई दिल्ली । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सोमवार को भोपाल में मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक की अध्यक्षता करेंगे, जहां कनेक्टिविटी, बिजली, नदी जल के बंटवारे और साझा हितों के अन्य मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। अधिकारियों ने यह जनकारी दी। मध्य क्षेत्रीय परिषद में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड शामिल हैं। गश्ह मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा कि बैठक में मुख्यमंत्रियों, मंत्रियों, मुख्य सचिवों, प्रमुख सचिवों और सदस्य राज्यों और केंद्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होंगे। अधिकारी ने कहा कि परिषद की बैठक में कनेक्टिविटी, बिजली, नदी जल बंटवारे और साझा हितों के अन्य मुद्दों पर चर्चा होगी। निर्धारित प्रक्रिया और परिपाटी के अनुसार, क्षेत्रीय परिषद की बैठक से पहले परिषद की एक स्थायी समिति की बैठक होती है, जिसमें परिषद के समक्ष रखी जाने वाली कार्यसूची की जांच की जाती है और प्राथमिकता तय की जाती है। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि नरेंद्र मोदी नीत सरकार देश में सहकारी और प्रतिस्पर्धी संघवाद को मजबूत करने और बढ़ावा देने के लिए अपनी समग्र रणनीति के तहत क्षेत्रीय परिषदों की नियमित रूप से बैठकें करती रही है। क्षेत्रीय परिषदें एक या अधिक राज्यों को प्रभावित करने वाले मुद्दों या केंद्र और राज्यों के बीच के मुद्दों पर व्यवस्थित तरीके से चर्चा के लिए एक मंच प्रदान करती हैं। अधिकारी ने कहा कि पिछले आठ वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में क्षेत्रीय परिषदों और इसकी स्थायी समितियों की बैठकों की संख्या में तीन गुना वशद्धि हुई है। क्षेत्रीय परिषदें सामाजिक और आर्थिक विकास के महत्वपूर्ण मुद्दों पर राज्यों के बीच चर्चा और विचारों के आदान–प्रदान के माध्यम से एक समन्वित दृष्टिकोण विकसित करने में मदद करती हैं। क्षेत्रीय परिषदें केंद्र और राज्यों तथा क्षेत्र में एक या कई राज्यों से जुड़े मुद्दों को उठाती हैं। इस प्रकार, क्षेत्रीय परिषदें केंद्र और राज्यों के बीच तथा क्षेत्र के कई राज्यों के बीच विवादों और परेशानियों को हल करने के लिए एक मंच प्रदान करती हैं।

राकेश टिकैत को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया

नई दिल्ली। देश में बेरोजगारी के विरूद्ध प्रदर्शन में हिस्सा लेने जा रहे किसान नेता राकेश टिकैत को रविवार को दिल्ली में प्रवेश करने पर पुलिस ने हिरासत में ले लिया। दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि जंतर–मंतर जाने के लिए जब टिकैत गाजीपुर से गुजर रहे थे, तो उन्हें रोक लिया गया। उन्होंने कहा, ''उसके बाद उन्हें हिरासत में ले लिया गया और मधु विहार थाने ले जाया गया, जहां पुलिस ने उनसे लौट जाने का अनुरोध किया। भारतीय किसान यूनियन (बीकेयू) के राष्ट्रीय प्रवक्ता और संयुक्त किसान मोर्चा (एसकेएम) के अहम चेहरे टिकैत ने आरोप लगाया कि दिल्ली पुलिस केंद्र के ईशारे पर काम कर रही है। उन्होंने ट्वीट किया, ''सरकार के इशारे पर काम कर रही दिल्ली पुलिस किसानों की आवाज को नहीं दबा सकती। यह गिरफ्तारी एक नई क्रांति लेकर आएगी। यह संघर्ष अंतिम सांस तक जारी रहेगा। न रुकेंगे, न थकेंगे और न ही झुकेंगे। दिल्ली के मंत्री और आम आदमी पार्टी के नेता गोपाल राय ने टिकैत को हिरासत में लिये जाने की निंदा की। उन्होंने ट्वीट किया, ''जंतर–मंतर पर होने जा रहे रोजगार आंदोलन में हिस्सा लेने आ रहे किसान नेता राकेश टिकैत को पुलिस ने बॉर्डर पर ही रोक दिया। यह बहुत ही निंदनीय है। एसकेएम और अन्य किसान संगठन सोमवार को 'महापंचायत आयोजित करेंगे और वे बाहरी जिले के क्षेत्राधिकार से गुजरेंगे, जिसमें गाजियाबाद में गाजीपुर बॉर्डर शामिल है। पुलिस उपायुक्त (बाहरी दिल्ली) समीर शर्मा ने कहा, ''इस सिलसिले में टीकरी बॉर्डर पर बाहरी जिले के इलाके, बड़े चौराहों, रेल मार्गों, मेट्रो स्टेशन पर स्थानीय पुलिस एवं बाहरी सुरक्षाबलों की तैनाती की जाएगी ताकि कोई अप्रिय घटना न हो। इसके अलावा कानून व्यवस्था की पुख्ता व्यवस्था के लिये निर्देश पहले ही जारी कर दिया गया है।

नोएडा में अब गालीबाज महिला का वीडियो वायरल

नोएडा। नोएडा में गालीबाज श्रीकांत त्यागी का मामला अभी शांत भी नहीं हुआ था कि अब एक गालीबाज महिला का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पुलिस ने एक्शन लेते हुए महिला के खिलाफ केस दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया है। जानकारी के मुताबिक वायरल वीडियो नोएडा के थाना सेक्टर–126 क्षेत्र की जेपी सोसायटी का है। वीडियो में नोएडा की हाईटेक सोसायटी में रहने वाली महिला एक गार्ड को भद्दी–भद्दी गालियां देती दिखाई दे रही है। इतना ही नहीं महिला ने गार्ड के साथ हाथापाई और धक्का–मुक्की भी की। वहीं वहां खड़े गार्ड महिला को समझाते हैं कि वह ऐसा न करे पर वह सबसे भिड़ जाती है। बताया जा रहा है कि गार्ड ने गेट खोलने में देरी की तो कथित तौर पर नशे में धुत महिला गाली गलौज पर उतर आई। महिला बार–बार गार्ड का कॉलर पकड़कर खींचतान करती दिख रही है और बिहार के लोगों के बारे में गलत बोल रही है।

श्रीकांत त्यागी के पक्ष में नोएडा में 'महापंचायत, भाजपा नेताओं का प्रवेश बंद का लगा बैनर

नोएडा। उत्तर प्रदेश में नोएडा के सेक्टर 93बी स्थित एक सोसाइटी में एक महिला से अभद्रता करने के आरोप में गिरफ्तार किए गए नेता श्रीकांत त्यागी के पक्ष में रविवार को यहां त्यागी समुदाय के लोगों ने 'महापंचायत की। स्थानीय लोगों के आह्वान पर गेझा गांव के रामलीला मैदान में सुबह लगभग 10 बजे महापंचायत शुरू हुई। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों जैसे गाजियाबाद, मुजफ्फरनगर, बुलंदशहर, बागपत और हापुड़ से समुदाय के लोग बड़ी संख्या में इसमें शामिल हुए। गेझा गांव के प्रवेश द्वार पर लगे एक बैनर पर लिखा था, ''हमारे गांव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेताओं का प्रवेश बंद है। गौरतलब है कि त्यागी को नौ अगस्त को मेरठ से गिरफ्तार किया गया था। त्यागी ने दावा किया था कि वह भाजपा का पदाधिकारी है लेकिन पार्टी ने उसके साथ कोई भी संबंध होने से इनकार किया है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि नोएडा में पुलिसकर्मियों और त्वरित कार्रवाई बल (आरएएफ) के जवानों की तैनाती की गई है। पुलिस ने कहा कि एहतियात के तौर पर गौतमबुद्ध नगर से लोकसभा सांसद एवं भाजपा नेता महेश शर्मा के कार्यालयों में सुरक्षा बढ़ा दी गयी है। ऐसा कहा जा रहा है कि त्यागी समुदाय के लोग श्रीकांत त्यागी प्रकरण के वक्त शर्मा के बर्ताव से खुश नहीं है। महापंचायत में शामिल होने के लिए पश्चिमी उत्तर प्रदेश से बड़ी संख्या में लोग कार, मोटरसाइकिल और ट्रैक्टर से पहुंचे हैं जिसे देखते हुए नोएडा में कई मार्गों पर यातायात परिवर्तित किया गया है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री आनंद शर्मा का कांग्रेस की हिमाचल प्रदेश संचालन समिति के अध्यक्ष पद से इस्तीफा

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा ने पार्टी की राज्य इकाई की संचालन समिति के अध्यक्ष पद से रविवार को इस्तीफा दे दिया। सूत्रों के मुताबिक, समझा जा रहा है कि शर्मा ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को लिखे पत्र में कहा है कि उनके स्वाभिमान के साथ 'समझौता नहीं किया जा सकताश और उन्होंने पार्टी की हिमाचल इकाई की संचालन समिति के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। शर्मा से पहले जी23 समूह के एक अन्य नेता गुलाम नबी आजाद जम्मू–कश्मीर में कांग्रेस की चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष के पद से इस्तीफा दे चुके हैं। शर्मा ने कांग्रेस अध्यक्ष से कहा है कि परामर्श प्रक्रिया में उनकी अनदेखी की गई है। हालांकि, उन्होंने भरोसा दिलाया है कि वह राज्य में पार्टी उम्मीदवारों के लिए प्रचार करना जारी रखेंगे। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं राज्यसभा में कांग्रेस के उपनेता शर्मा को 26 अप्रेल को हिमाचल प्रदेश में पार्टी की संचालन समिति के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया था। आजाद और शर्मा, दोनों ही जी23 समूह के प्रमुख नेता हैं, जो पार्टी नेतृत्व के फैसलों की आलोचना करने से नहीं चूके हैं। भूपेंद्र सिंह हुड्डा और मनीष तिवारी सहित कई अन्य दिग्गज नेताओं वाला यह समूह ब्लॉक से लेकर केंद्रीय कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) स्तर तक सही तरीके से चुनाव कराने पर जोर दे रहा है। हिमाचल प्रदेश के सबसे वरिष्ठ नेताओं में शुमार शर्मा ने कांग्रेस अध्यक्ष को भेजे अपने पत्र में कथित तौर पर कहा है कि उनके स्वाभिमान को ठेस पहुंची है, क्योंकि उनसे पार्टी की किसी भी बैठक के लिए परामर्श नहीं किया गया और न ही उन्हें उनमें आमंत्रित किया गया। शर्मा ने पहली बार 1982 में विधानसभा चुनाव लड़ा था। 1984 में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने उन्हें राज्यसभा भेजा था। वह तभी से राज्यसभा सदस्य हैं और पार्टी में कई प्रमुख पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

सम्पादकीय

मर्ज बढ़ाती कोताही

जुलाई की शुरुआत से दुधारू पशुओं को गिरफ्त में लेने वाले लंपी त्वचा रोग से निपटने में विभिन्न सरकारों ने जैसी हीला–हवाली की उसका नतीजा है कि पशुपालक किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। समय रहते इसके उपचार को गंभीरता से न लेने का ही परिणाम है कि देश के कई राज्यों के पशु इस रोग से मर रहे हैं। इतना ही नहीं, दुधाऊ पशुओं ने दूध ा देना कम कर दिया है। हालत यह है कि पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, गुजरात व जम्मू–कश्मीर में हजारों जानवर इस रोग की चपेट में हैं। रोग की चपेट में आने वाले पशुओं में गायें ज्यादा हैं। यदि अधिकारी राज्यों की सीमाओं पर सख्ती बरतते तो इस रोग का अंतर्राज्यीय स्तर पर प्रसार न होता। फिलहाल तो डेयरी उद्योग से जुड़े किसान बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। बताते हैं कि यह रोग जहां गायों की दूध देने की क्षमता में कमी लाता है, वहीं प्रजनन क्षमता पर भी प्रतिकूल असर डालता है।

वहीं दूसरी ओर हजारों मृत पशुओं के शवों का निस्तारण भी बड़ी चुनौती है। शवों का निपटान वैज्ञानिक तरीके से नहीं हो पा रहा है। कई जगह जानवरों के शव खुले में पड़े रहते हैं। घोर कुप्रबंधन का आलम यह है कि पशुपालक मरे जानवरों के शवों को नदी–नहरों में फेंक जाते हैं। बताया जाता है कि अकेले पंजाब में ही चार हजार से अधिक पशु मर चुके हैं और 75 हजार इस रोग से पीड़ित हैं। निस्संदेह, इस बड़ी चुनौती से मुकाबले को बहुकोणीय नजरिये से युद्ध स्तर पर काम करने की जरूरत है। जहां तुरंत उपचार व रोग की रोकथाम के लिये अतिरिक्त धन की मंजूरी जरूरी है, वहीं पशु चिकित्सालयों में पर्याप्त चिकित्सकों व कर्मचारियों की उपलब्धता की तत्काल आवश्यकता है। साथ ही वैकल्पिक वैक्सीन किसानों की सहज पहुंच में होनी चाहिए। पशु पालकों को जागरूक करने तथा रोग के प्रसार को रोकने के वैज्ञानिक उपायों के बारे में बताना भी जरूरी है। बहरहाल, इस संक्रामक रोग से हालात इतने बिगड़ गये हैं कि समाज में स्वास्थ्य व पर्यावरणीय संकट की चुनौती पैदा हो गई है। इस रोग के चलते चुनौतियों की एक शृंखला उत्पन्न हुई है। वहीं पशु चिकित्सकों की कमी से समस्या और विकट हो रही है। इस रोग से जुड़े अनुसंधान के बाद पता लगाया जाना चाहिए कि रोग की रोकथाम के लिये जो वैकल्पिक वैक्सीन दी जा रही है क्या वह स्वस्थ पशुओं को रोग से बचाने में कारगर है। दरअसल, विशेषज्ञों की सलाह के बावजूद अफवाहें फैलायी जा रही हैं कि रोग के चलते गाय का दूध पीना नुकसानदायक हो सकता है। इस बाबत समाज में प्रगतिशील सोच बनाये जाने की जरूरत भी है। साथ ही वैज्ञानिकों की आवाज को प्रभावी बनाने की भी आवश्यकता है। वहीं इस संक्रामक रोग ने पिछले एक दशक में जानवरों को दफनाने के लिये आरक्षित स्थानों को खुर्द–बुर्द करने के संकट को भी उजागर किया है। अवैध कब्जों के चलते इसमें लगातार संकुचन हुआ है।

कश्मीर-संभल कर बढ़ने की जरूरत

इंसानियत, जम्हूरियत और कश्मीरियत इन तीन चीजों के साथ स्व. अटल बिहारी वाजपेयी ने कश्मीर के संवेदनशील मुद्दे को सुलझाने की कोशिश की थी। यह मसला इतना अधिक नाजुक और उलझा हुआ है कि ऐसी सैकड़ों कोशिशों के बाद गांठें खुलेंगी और एक सिरे को दूसरे सिरे से जोड़ा जा सकेगा। इसलिए वाजपेयीजी की कोशिश के बावजूद यहां स्थितियां सामान्य नहीं हो पाईं, लेकिन कश्मीर के लोग उन्हें एक ऐसे नेता के रूप में देखते थे जिन्होंने राजनैतिक नफे–नुकसान से ऊपर उठकर कश्मीरी लोगों की समस्याओं को सुलझाने की कोशिश की थी। अब 20–22 साल के अंतराल के बाद जम्मू–कश्मीर का मसला और उलझ चुका है। तीन साल पहले मोदी सरकार ने यहां का भू–राजनैतिक परिदृश्य एक फैसले से बदल दिया। अनुच्छेद 370 के खात्मे के बाद जम्मू–कश्मीर के सारे विशेषाधिकार खत्म हो गए। कश्मीर के विलय के वक्त भारत सरकार द्वारा किया गया वादा खत्म हो गया। जम्मू–कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश में तब्दील हो गया और लद्दाख इस राज्य से अलग एक नया केंद्र शासित राज्य बना दिया गया। इसके बाद नए सिरे से परिसीमन का काम भी खत्म हो गया है, जिसके बाद निर्वाचन के हालात भी बदल जाएंगे। कश्मीर जब तक है, तब तक कश्मीरियत तो बनी ही रहेगी, लेकिन इंसानियत और जम्हूरियत की रक्षा का सवाल अब भी अहम बना हुआ है, जिस पर सरकार को सोचना होगा। पिछले चार सालों से जम्मू–कश्मीर में निर्वाचित सरकार नहीं है और प्रशासन एक तरह से केंद्र सरकार की मर्जी के मुताबिक ही चल रहा है। विधानसभा क्षेत्रों के परिसीमन का काम खत्म होते ही सुगबुगाहट थी कि इस साल के आखिर में गुजरात और हिमाचल प्रदेश के साथ–साथ जम्मू–कश्मीर में भी चुनाव हो जाएंगे। लेकिन अब अनुमान लगाया जा रहा है कि चुनाव अगले साल हो सकते हैं। भाजपा और कांग्रेस जैसे राष्ट्रीय दलों के अलावा नेशनल कांफ्रेंस और पीडीपी जैसे दल भी अभी से चुनावी तैयारियों में जुट गए हैं। लेकिन इस बीच एक ऐसा फैसला हुआ है जिससे भाजपा पर उंगलियां उठने लगी हैं कि वह सत्ता हासिल करने के लिए इस तरह के कदम उठा रही है। दरअसल जम्मू–कश्मीर के मुख्य चुनाव अधिकारी हृदेश कुमार ने घोषणा की कि गैर–स्थानीय लोग, जिनमें कर्मचारी, छात्र, मजदूर या बाहर का कोई भी व्यक्ति शामिल है, जो आमतौर पर जम्मू–कश्मीर में रह रहे हैं, वे मतदान सूची में अपना नाम दर्ज करा सकते हैं और जम्मू–कश्मीर चुनाव में वोट डाल सकते हैं। गौरतलब है कि 2019 में जब अनुच्छेद 370 को वापस लिया गया था तो राज्य में गैर–कश्मीरियों को वोट देने और जमीन खरीदने की अनुमति देने के लिए संविधान में बदलाव किया गया था। हृदेश कुमार का कहना है कि चुनाव से पहले इस क्षेत्र में 20 लाख से अधिक नए मतदाताओं के रजिस्टर होने की उम्मीद है। इससे मतदाताओं की संख्या एक तिहाई से अधिक बढ़ सकती है, जिससे क्षेत्र में मौजूदा 76 लाख मतदाताओं की संख्या बढ़ जाएगी। परिसीमन के बाद सात सीटें बढ़ गई थीं, जिनमें जम्मू की छह सीटें और कश्मीर की एक सीट शामिल है। अब कश्मीर की 47 और जम्मू की 43 सीटें हैं, माना जा रहा है कि परिसीमन का फायदा भाजपा को मिलेगा। अब अगर राज्य में बाहरी मतदाताओं को चुनाव का हिस्सा बनाया जाएगा, तो यह भी भाजपा की फायदा उठाने की रणनीति का हिस्सा है, ऐसे आरोप लग रहे हैं। 20 लाख से अधिक नए मतदाताओं के जुड़ने का मतलब है कि अब करीब एक करोड़ लोग मतदान में हिस्सा लेंगे। पीडीपी की मुखिया महबूबा मुफ्ती ने तो साफ कहा है कि जम्मू –कश्मीर में लोकतंत्र को खत्म किया जा रहा है। भाजपा के लिए जम्मू–कश्मीर एक प्रयोगशाला बन गया है।बाहरी लोगों को जम्मू–कश्मीर के चुनाव में वोट डालने की इजाजत देने का फैसला चुनाव नतीजों को प्रभावित करने के लिए लिया गया है। इसका असली मकसद स्थानीय लोगों की ताकत कम करना और जम्मू–कश्मीर पर जबरदस्ती शासन करना है। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री और नेशनल कांफ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने पूछा है कि क्या भाजपा जम्मू–कश्मीर के मतदाताओं को लेकर इस कदर असुरक्षित महसूस कर रही है कि उसे चुनाव जीतने के लिए बाहर से मतदाताओं का आयात करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इस तरह के फैसलों से भाजपा को कोई फायदा नहीं होगा। चुनाव की घोषणा अभी हुई नहीं है, लेकिन जम्मू–कश्मीर में अभी से निर्वाचन में पारदर्शिता को लेकर संदेह का माहौल बनना सुखद संकेत नहीं हैं। भाजपा ने हमेशा दावा किया है कि उसके सारे फैसले कश्मीरियों के हितों को ध यान में रखकर लिए जाते हैं। अब भाजपा को अपने ये दावे सच साबित करके दिखाने की जरूरत है, क्योंकि कश्मीर में फिर से हिंसा का माहौल बन रहा है। कश्मीरी पंडितों की घर वापसी तो नहीं हो पाई है, बल्कि अब उन्हें फिर से मारे जाने का डर सताने लगा है। आतंकवादी घटनाएं फिर से जोर पकड़ने लगी हैं, जिसमें निशाने पर सुरक्षा बल और आम नागरिक दोनों ही हैं। जम्मू–कश्मीर में लोकतांत्रिक चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराना हमेशा से बड़ी चुनौती रही है। अब बाहरी लोगों को मतदान का अधिकार मिलने के बाद लश्कर–ए–तैयबा समर्थित आतंकी समूह कश्मीर फाइट ने आतंकी हमले तेज करने की धमकी दी है। इस संगठन ने ऐलान किया है कि हर गैर कश्मीरी चाहे वह व्यापारी हो, कर्मचारी हो या भिखारी हो, उसे निशाने पर लेना है। बेशक हमारे सुरक्षा बल आतंकवाद का जमकर मुकाबला कर रहे हैं। जम्मू–कश्मीर के नागरिक भी शांति बहाली की प्रक्रिया में पूरा सहयोग देते हैं, क्योंकि अमन की कीमत उनसे बढ़कर कोई नहीं समझ सकता।

आज का राशिफल

मेष :– पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव। दूसरो की आलोचना का अपने मनोबल पर असर ना पड.ने दें। ग्रहों की अनुकूलता प्रगति के अच्छे अवसर प्रदान करेगी।

बृषभ :– योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। कोई महत्वपूर्ण निर्णय लेने में मन दुविधाग्रस्त होगा। बिरोधियों प्रबलता से कार्य क्षेत्र में कठिनाईयाँ संभव। जीविका क्षेत्र में नए आयाम उत्साहित करेंगे।

मिथुन :– दूसरों की सफलता से अपने अन्दर हीन भावना ना पाले। नौकरी का वातावरण थोड़ा अरुचिकर और स्थान परिवर्तन के भी योग हैं। आवेश में लिया गया निर्णय से पश्चाताप संभव।

कर्क :– प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। कार्य क्षेत्र में अपनी क्षमताओं का भरपूर लाभ उठाने का समय आ गया है। रोजगार में समस्याओं से हतोत्साहित ना हों।

सिंह:– नाजुक सम्बन्धों मे भावनात्मक ताल–मेल बिठाने का प्रयत्न करें। नये कायां के क्रियान्वयन के लिए प्रयत्न तीव। कुछ नये उत्साह व कार्य क्षमता की अनुभूति करेंगे।

कन्या :– रोजगार के क्षेत्र में नए अवसर उत्साह का संचार करेंगे, परन्तु आवेश में लिया गया निर्णय हानिकारक हो सकता है। जो बीत गयी उसे भूल वर्तमान में जीने की चेष्ठा करें।

तुला :– कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुरूप चलने का प्रयत्न करें। शिक्षा–प्रतियोगिता के दिशां में परिश्रम तीव्र होगा। कुछ नई सफलताएं सुखों का आगाज करेंगी।

वृश्चिक:– आसीम प्रतिभाओं के बावजूद भी हीन मन प्रतिभाओं के लाभ से वन्चित होगा, अत इसे सुध ारें। नैतिक–अनैतिक सोचने वाला मन भौतिक परिवेश ताल–मेल बिठाने में असमर्थ होगा।

धनु :– दूसरों की बात इधर से उध ार करना आपका शोभा नही देता और निर्थक दूसरों की आलोचना भी ठीक नही है। परिवारिक सम्बन्धों कटुता दुश्मनी जैसा ना बननें दें।

मकर :– अपनी क्षमताओं व गुणवत्ता पर भरोसा रखें आगे बहुत सारी सफलताएं मिलेंगी। किसी पुराने संबंध ी से आकस्मिक भेंट संभव। रोजगार में कुछ आकस्मिक सफलता के योग है।

कुंभ :– कल्पनाएं व आकांक्षाएं अपनी सार्थकता हेतु आपको उद्वेलित करेंगी। निर्थक दूसरों की पीठ पीछे आलोचना ना करें। मित्रवत संबंधों का लाभ प्राप्त होगा।

मीन :– कोई महत्वपूर्ण आकांक्षा अपनी सार्थकता हेतु आपको उद्वेलित करेंगी। अपकी सारी समस्याएं खुद ब खुद सुलझ जाएंगी थोड़ धैर्य पूर्वक वक्त का इन्तजार करें।

मानवता की प्रार्थना

दुनिया के इतिहास की सबसे बड़ी त्रासदियों में शामिल भारत विभाजन की विभीषिका में जिन लाखों निर्दोष लोगों की जानें गईं, अब उनकी शहादत को गरिमा देना समय की पुकार है। इस सांप्रदायिक हिंसा में मारे गये लाखों लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिये मंगलवार को अकाल तख्त में पहली बार जिस विशेष 'अरदास समागम' का आयोजन किया गया, वह मानवता के प्रति हमारे दायित्वों का बोध कराता है। इस समागम में सभी संप्रदायों के लोगों ने भागीदारी की और मांग की गई कि भारत व पाकिस्तान की सरकारें कम से कम एक दिन अपनी संसद में शोक प्रस्ताव पारित करके विभाजन की त्रासदी के शिकार दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि दें। निस्संदेह, जब दोनों देश आजादी के 75 साल पूरे कर रहे हैं तो ऐसी सार्थक पहल वक्त की जरूरत कही जा सकती है। निस्संदेह, विभाजन का दंश झेलने वाले इन लोगों ने दोनों देशों की आजादी की कीमत चुकाई है, जो एक मायने में आजादी के लिये शहादत का ही एक रूप है। जिनका भावपूर्ण स्मरण हमारा नैतिक दायित्व भी बनता है। निस्संदेह, ऐसी पहल हर इंसान को सोचने को विवश करेगी कि सांप्रदायिक संकीर्णताएं मानवता के लिये कितना बड़ा अभिशाप हैं। जो आपराधिक तत्वों को हिंसक कृत्य करने और स्वच्छंद व्यवहार करने का अवसर देती हैं। यह भी कि तत्कालीन राजनीतिक दलों ने अपने निहित स्वार्थों के लिये मानवता की रक्षा के दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन नहीं किया। हमारी आजादी के लिये इन लाखों लोगों ने कितनी बड़ी कीमत चुकाई, वह कल्पना से परे की बात है। सदियों से स्थापित जड़ों से उखड़कर कई पीढ़ियों से अर्जित चल–अचल संपत्ति को कुछ ही क्षणों में गंवाना किसी वज्रपात से कम नहीं था। वजह सिर्फ यह कि धार्मिक संकीर्णताओं ने हैवानियत की आग में घी डालने का काम किया। निस्संदेह, इस त्रासदी के मूल में ब्रिटिश हुकमरानों की साजिश भी शामिल थी, जो भारतीय आजादी को विफल बनाने की साजिश कर रहे थे। बहरहाल, आजादी के 75 साल पूरे होने पर दोनों देशों के हुकमरानों को सोचना होगा कि कटुता की यह आग राजनीतिक स्वार्थों के लिये और न भड़कायी जाये। इस आग की कीमत सिर्फ और सिर्फ मानवता को ही चुकानी पड़ती है। भौगोलिक सीमाओं ने अब हमें पड़ोसी बनाया है, हम पड़ोसी नहीं बदल सकते। 21वीं सदी में दोनों देशों और सभी संप्रदायों को सोचना होगा कि हमारी संकीर्ण सोच के चलते मानवता ने कितनी बड़ी कीमत चुकायी है। यह उदाहरण है कि सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की राजनीति कितनी घातक होती है। जिन लाखों लोगों ने अपने घर–बार, परिवार और चल–अचल संपत्ति गवांई, उनकी कभी न खत्म न होने वाली टीस बार–बार इस जहरीली सोच की हकीकत बताती है।

निस्संदेह, सांप्रदायिकता की राजनीति आग से खेलने जैसी होती है जिसकी कीमत दोनों ही संप्रदायों को चुकानी पड़ती है। राजनीतिक ताकतें इसी सांप्रदायिकता का भय दिखाकर ही अपने निरंकुश एजेंडे और मनमानी नीतियों को अंजाम देकर सत्ता में बनी रहती हैं। इसी आग में विकास और नई संभावनाओं का पराभव होता है। किसी भी तरह का संघर्ष व तनाव मनुष्यता के स्वाभाविक विकास में बाध ाक ही है। ईश्वर ने सभी इंसानों को एक जैसा बनाया है जो जन्म से एक जैसे ही होते हैं। लेकिन धार्मिकता की संकीर्णताएं इंसान में विभाजन के बीज बो देती हैं। निस्संदेह, धर्म व्यक्ति का निजी व्यवहार है। उसकी सीमा वहां खत्म हो जाती है जहां दूसरे की आस्था शुरू होती है। सीमाओं का यही अतिक्रमण मानवता के लिये अभिशाप बनता है। कभी कहा जाता रहा है कि सांप्रदायिकता का घातक प्रभाव अशिक्षा के चलते होता है, लेकिन विडंबना देखिये कि पढ़ी–लिखी पीढ़ी भी सांप्रदायिकता के संजाल में उलझती जा रही है।

वैश्विक आपूर्ति में नए मौके

इन दिनों चीन–ताइवान के बीच चरम पर पहुंची तनातनी और चीन के द्वारा अपनाई जा रही अमेरिका के विरोध की रणनीति के कारण चीन पर वैश्विक निर्भरता में कमी के बीच भारत के लिए वैश्विक आपूर्ति में नए मौकों का परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहा है इन दिनों चीन–ताइवान के बीच चरम पर पहुंची तनातनी और चीन के द्वारा अपनाई जा रही अमेरिका के विरोध की रणनीति के कारण चीन पर वैश्विक निर्भरता में कमी के बीच भारत के लिए वैश्विक आपूर्ति में नए मौकों का परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहा है। दुनिया के कई देश आपूर्ति श्रृंखलाओं को चीन से दूर करने का प्रयास कर रहे हैं और भारत से संबंध स्थापित कर रहे हैं। भारत, ऑस्ट्रेलिया और जापान ने चीन पर निर्भरता को कम करने के लिए त्रिपक्षीय सप्लाई चौन रेजिलिएशन इनिशिएटिव (एससीआर) के विचार–विमर्श को आगे बढ़ाया है। यह बात भी महत्त्वपूर्ण है कि कोविड–19 के बीच चीन के प्रति बढ़ी हुई वैश्विक नकारात्मकता अभी कम नहीं हुई है और इसी वर्ष 2022 में शुरुआती 4–5 महीनों में चीन में कोरोना संक्रमण के कारण उद्योग–व्यापार के ठहर जाने से चीन से होने वाली वैश्विक आपूर्ति में बड़ी कमी आई है। स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि कोरोना काल के पिछले दो वर्षों में चीन से बाहर निकलते विनिर्माण, निवेश और निर्यात के कई मौके भारत की ओर आए हैं। अब ताइवान और अमेरिका के साथ चीन की शत्रुता के बीच भारत दुनिया के कई देशों और कई वैश्विक कंपनियों के लिए मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर और विभिन्न उत्पादों की वैकल्पिक आपूर्ति करने वाले देश के रूप में आगे बढने का अवसर मुठ्ठी में ले सकता है। अब दुनियाभर में तेजी से बदलती हुई यह धारणा भी भारत के लिए लाभप्रद है कि भारत गुणवत्तापूर्ण और किफायती उत्पादों के निर्यात के लिहाज से एक बढिया प्लेटफॉर्म है। साथ ही भारत सस्ती लागत के विनिर्माण में चीन को पीछे छोड़ सकता है। उल्लेखनीय है कि इस समय दुनियाभर में मेक इन इंडिया की मांग बढ़ रही है। आत्मनिर्भर भारत अभियान में मैन्युफैक्चरिंग के तहत 24 सेक्टर को प्राथमिकता के साथ तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। चूंकि अभी भी देश में दवाई उद्योग, मोबाइल उद्योग, चिकित्सा उपकरण उद्योग, वाहन उद्योग तथा इलेक्ट्रिक जैसे कई उद्योग बहुत कुछ चीन से आयातित माल पर आधारित हैं। ऐसे में चीन के कच्चे माल का विकल्प तैयार करने के लिए पिछले दो वर्ष में सरकार ने प्रोडक्शन लिंक्ड इनसेंटिव (पीएलआई) स्कीम के तहत 13 उद्योगों को करीब दो लाख करोड़ रुपए आवंटन के साथ प्रोत्साहन सुनिश्चित किए हैं। अब देश के कुछ उत्पादक चीन के कच्चे माल का विकल्प बनाने में सफल भी हुए हैं। पीएलआई योजना के तहत देश में 520 अरब डॉलर यानी लगभग 40 लाख करोड़ रुपए मूल्य की वस्तुओं के उत्पादन का जो लक्ष्य है, वह धीरे–धीरे आकार लेता हुआ दिखाई दे रहा है। पीएलआई योजना के तहत कुछ निर्मित उत्पादों के निर्यात भी दिखाई देने लगे हैं। इस समय रूस–यूक्रेन संकट और चीन–ताइवान तनातनी के कारण दुनिया रूस और चीन तथा अमेरिका व पश्चिमी देशों के दो ध्रुवों के बीच विभाजित दिखाई दे रही है। ऐसे में यह कोई छोटी बात नहीं है कि भारत दोनों ही ध्रुवों के विभिन्न देशों में विदेश व्यापार–कारोबार बढ़ाने की जोरदार संभावनाएं रखता है। इस समय जब रूस के द्वारा यूक्रेन पर हमले के मद्देनजर पश्चिमी देशों के द्वारा रूस पर लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों के कारण अमेरिकी, यूरोपीय और जापानी कंपनियों सहित कई बहुराष्ट्रीय कंपनियों के द्वारा रूस में अपना कारोबार बंद कर गया दिया है, तब रूस में भारत की उपभोक्ता कंपनियों से लेकर दवा निर्माण कंपनियों ने अपना कामकाज बढ़ा लिया है। साथ ही भारतीय कंपनियां रूसी बाजार का एक बड़ा हिस्सा अपनी मुठ्ठियों में लेने के लिए सुनियोजित रूप से आगे बढ़ रही हैं। अब अमेरिका के साथ चीन के तनाव के कारण अमेरिका व पश्चिमी देशों में चीन के लिए विदेश व्यापार के मौके घटेंगे और भारत के लिए ये मौके बढ़ेंगे। दुनिया के जिन देशों के साथ चीन के व्यापार समझौते नहीं हैं, उनके साथ भारत के कारोबार की नई संभावनाएं बढ़ गई हैं। अमेरिका, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया ने क्वाड के रूप में जिस नई ताकत के उदय का शंखनाद किया है, वह क्वाड भारत के उद्योग–कारोबार के विकास में मील का पत्थर साबित हो सकता है। विगत 24 मई को अमेरिका, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया के रणनीतिक मंच क्वाड के दूसरे शिखर सम्मेलन में चारों देशों ने जिस समन्वित शक्ति का शंखनाद किया है और बुनियादी ढांचे पर 50 अरब डॉलर से अधिक रकम लगाने का वादा किया है, उससे क्वाड देशों में भारत के उद्योग–कारोबार के लिए नए मौके निर्मित होंगे। यह भी महत्वपूर्ण है कि अमेरिका की अगुवाई में बनाए गए संगठन हिंद–प्रशांत आर्थिक फ्रेमवर्क (आईपीईएफ) के सदस्य देशों की 11 जून को पेरिस में आयोजित हुई अनौपचारिक बैठक के बाद इसके सदस्य देशों के साथ भारत के विदेश व्यापार को नई गतिशीलता मिलने की संभावनाएं उभरकर दिखाई दी हैं। वस्तुतरू आईपीईएफ पहला बहुपक्षीय करार है जिसमें भारत शामिल हुआ है। इसमें अमेरिका, भारत, जापान, ऑस्ट्रेलिया, ब्रूनेई, इंडोनेशिया, दक्षिण कोरिया, मलेशिया, न्यूजीलैंड, फिलिपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम शामिल हैं। इसी वर्ष 2022 में यूरोपीय देशों के साथ किए गए नए आर्थिक समझौतों के क्रियान्वयन से भी भारत का विदेश व्यापार बढ़ेगा। निश्चित रूप से पिछले माह 11 जुलाई को भारतीय रिजर्व बैंक के द्वारा भारत और अन्य देशों के बीच व्यापारिक सौदों का निपटान रुपए में किए जाने संबंधी महत्वपूर्ण निर्णय से जहां भारतीय निर्यातकों और आयातकों को अब व्यापार के लिए डॉलर की अनिवार्यता नहीं रहेगी, वहीं अब दुनिया का कोई भी देश भारत से सीधे बिना अमेरिकी डॉलर के व्यापार कर सकता है। ऐसे में उन देशों के साथ भारत के लिए तेजी से कारोबार बढ़ाने के नए मौके निर्मित होंगे। खासतौर से डॉलर संकट का सामना कर रहे रूस, संयुक्त अरब अमीरात, इंडोनेशिया, श्रीलंका, ईरान, एशिया और अफ्रीका सहित कई छोटे–छोटे देशों के साथ भारत का विदेश व्यापार तेजी से बढ़ेगा। निश्चित रूप से आरबीआई के इस कदम से भारतीय रुपए को अंतरराष्ट्रीय व्यापार में एक वैश्विक मुद्रा के रूप में स्वीकार करवाने की दिशा में मदद मिलेगी। जिस तरह चीन और रूस जैसे देशों ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार में अमेरिकी डॉलर के वर्चस्व को तोडने की दिशा में सफल कदम बढ़ाए हैं, उसी तरह अब आरबीआई के निर्णय से भारत की बढ़ती वैश्विक स्वीकार्यता के कारण रुपए को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा के रूप में स्थापित करने में भी मदद मिल सकती है और इससे भारत के लिए विदेश व्यापार के नए मौके बढ़ेंगे। हम उम्मीद करें कि इस समय चीन–ताइवान के बीच तनातनी और रूस–यूक्रेन युद्ध की बढ़ती अवधि की चुनौती तथा चीन पर वैश्विक निर्भरता में कमी आने के बीच आपूर्ति श्रृंखला के पुनर्गठन के मद्देनजर भारत के लिए मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर एवं विदेश व्यापार बढ़ाने के जो अभूतपूर्व मौके निर्मित होते हुए दिखाई दे रहे हैं, उन्हें मुठ्ठियों में लेने के लिए सरकार और देश के उद्योग–व्यापार जगत के द्वारा रणनीतिक रूप से निश्चय ही आगे बढ़ा जाएगा। **& Mk- t ;rhyky HkMkjh**

अन्याय सा न्याय,इंसाफ की कसौटी पर भी हो खरा

आजादी के पर्व के दिन एक रिहाई ऐसी भी सामने आई जिसने देष में बड़े विवाद को हवा दे दी। ऐसी रिहाई जिस पर तमाम सवाल उठे। गुजरात में हुए 2002 के दंगों के दौरान बिलकिस बानो से गैंग रेप व परिजनों की हत्या के मामले में सजा काट रहे ग्यारह अभियुक्तों की रिहाई ने कई गंभीर प्रष्नों को जन्म दिया। 21 जनवरी, 2008 को मुंबई की एक विषेश सीबीआई अदालत ने संगीन आरोपों के लिये ग्यारह अभियुक्तों को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। कालांतर बॉम्बे हाईकोर्ट ने सजा पर अपनी सहमति की मोहर लगाई थी। दरअसल, 15 साल से अधिक की जेल की सजा काटने वाले एक दोशी ने विगत में सजा माफी के लिये सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात सरकार को सजा माफी के मुद्दे पर गौर करने का निर्देष दिया था। इसके बाद पंचमहल के कलेक्टर के नेतत्व में एक समिति बनाई गई जिसने कैदियों की रिहाई की मांग पर विचार किया। समिति ने सर्वसम्मति से कैदियों को रिहा करने का निर्णय किया। ये सिफारिष राज्य सरकार को भेजी गई थी। कालांतर दोशियों को रिहा करने के आदेष दिये गये। इस पर गुजरात के अतिरिक्त मुख्य सचिव का कहना था कि जेल में चौदह साल पूरे होने पर उम्र,अपराध की प्रकृति व कैदियों के व्यवहार आदि पर विचार करने के बाद सजा में छूट देने पर विचार किया गया। साथ ही यह भी देखा जाता है कि अपराधी ने अपनी सजा पूरी कर ली है। तभी रिहाई पर विचार किया जा सकता है। कैदी के गंभीर रूप से बीमार होने पर भी ऐसा फैसला लिया जा सकता है। इस पर मानवाधिकार कार्यकर्ताओं का आरोप है कि इससे कम गंभीर मामलों में सजा पाने वाले कैदी जेलों में बंद हैं जबकि गंभीर अपराध में लिप्त दोशियों को रिहा कर दिया गया है। इस फैसले से बिकलिस बानो का परिवार सकते में है और उनका कहना है कि वे फिर से भय में जी रहे हैं। दरअसल, पीड़ित पक्ष का आरोप है कि हमें सरकार ने इस मामले में कोई सूचना नहीं दी, हमें मीडिया से दोशियों की रिहाई की बात पता चली। वहीं गुजरात सरकार के इस फैसले की चौतरफा आलोचना हो रही है। कहा जा रहा है कि अपराध के षिकार लोगों का तंत्र पर भरोसा डिगा है। दरअसल, बिलकिस बानो ने न्याय पाने के लिये लंबा संघर्श किया था। पहले सबूतों के अभाव में पुलिस ने केस खारिज कर दिया था। गुजरात सरकार के दौरान जब उसे न्याय मिलता न दिखा तो वह राश्ट्रीय मानवाधिकार आयोग पहुंची। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने मामले में सीबीआई जांच के आदेष दिये। तब सुप्रीम कोर्ट के आदेष पर क्लोजर रिपोर्ट खारिज की गई। सीबीआई ने चार्जषीट में 18 लोगों को दोशी पाया था। लगातार धमकी मिलने और न्याय मिलने में संदेह के चलते बिलकिस बानो ने केस गुजरात से बाहर स्थानांतरित करने की मांग सुप्रीम कोर्ट से की थी। जिस पर मामला मुंबई कोर्ट में भेजा गया था। यहां तक कि वर्श 2019 में सुप्रीम कोर्ट ने बिलकिस बानो को दो सप्ताह के भीतर पचास लाख का मुआवजा, घर व नौकरी देने का भी आदेष दिया था। जिस पर गुजरात सरकार के वकीलों ने सवाल भी उठाये थे। दोशियों की रिहाई से बिलकिस बानो स्तब्ध है, वह कहती है कि उनका वर्शों का संघर्श व मेहनत बेकार चली गई। गुजरात सरकार के इस फैसले के बाद कांग्रेस समेत तमाम विपक्षी दल हमलावर हैं। कांग्रेस कह रही है कि एक तरफ केंद्र सरकार नारी सम्मान की बात करती है तो दूसरी ओर एक महिला के साथ जघन्य अपराध करने वालों को रिहा कर देती है। कहा जा रहा है कि इस फैसले से न्याय की अवधारणा सार्थक होती नजर नहीं आती। कोई भी फैसला न्याय की कसौटी पर खरा उतरना चाहिए।

बाबूजी ने सुशासन की जो पुख्ता नींव डाली, वह समग्र विकास का आधार बनी : मुख्यमंत्री

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत कल्याण सिंह को रविवार को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उन्होंने सुशासन की जो पुख्ता नींव रखी थी, वह आज उत्तर प्रदेश के समग्र विकास का आधार बन गई है। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने पूर्व मुख्यमंत्री सिंह की पहली पुण्यतिथि पर यहां 'कल्याण सिंह सुपर स्पेशलिटी कैंसर इंस्टीट्यूट सीजी सिटी में उनकी प्रतिमा का अनावरण और ऑपरेशन थियेटर ब्लॉक का लोकार्पण करने के बाद आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए कहा, ''सुशासन की बात आती है तो आजादी के बाद की पहली ऐसी सरकार जो हम सबकी स्मृतियों में है और जिसने जो कहा, सो करके दिखाया, वह श्रद्धेय बाबूजी कल्याण सिंह की ही सरकार है। उनकी सरकार ने 1991 में प्रदेश में समाज के प्रत्येक तबके के हितों की रक्षा करने के साथ अपनी सांस्कृतिक और धार्मिक धरोहर को अक्षुण्ण बनाये रखने के लिए कार्य किया। योगी ने कल्याण सिंह की सरकार के दौर का जिक्र करते हुए कहा, ''यह वह कालखंड था, जब उत्तर प्रदेश बदलाव के दौर से गुजर रहा था। पूर्ववर्ती सरकार की नीतियों के कारण प्रदेश में जगह–जगह दंगे हो रहे थे और प्रदेश में आतंकवाद की सुगबुगाहट हो रही थी, उस समय कल्याण सिंह ने प्रदेश की बागडोर संभाली थी। योगी ने कहा कि उनका (कल्याण सिंह) कार्यकाल सीमित था, लेकिन उतने समय में ही उन्होंने सुशासन की जो पुख्ता नींव रखी थी, आज वह प्रदेश के समग्र विकास का आधार बन गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज उत्तर प्रदेश देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है और लोगों को यह मानना है कि सुशासन की नींव को आधार देने में 1991 में बाबूजी के नेतृत्व की सरकार की जो कार्यपद्धति थी, वह कहीं न कहीं निर्णायक साबित हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''यह हमारी सरकार का सौभाग्य है कि कैंसर संस्थान का नामकरण बाबूजी के नाम पर किया गया और यह प्रदेश का पहला कैंसर संस्थान है। इसमें इस समय 734 बिस्तर हैं और इन्हें बढ़ाकर 1,200 बिस्तर का किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अत्याधुनिक सुविधायुक्त उत्तर प्रदेश का यह संस्थान बाबूजी के नाम के अनुरूप प्रदेश का कल्याण करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां कैंसर के उपचार की सुविधा प्रारंभ हो चुकी है और टाटा कैंसर इंस्टीट्यूट से बातचीत को आगे बढ़ाया गया है, ताकि उसी की तर्ज पर इस कैंसर संस्थान को विकसित किया जा सके। योगी ने कहा कि बुलंदशहर मेडिकल कॉलेज का नाम बाबूजी के नाम पर रखने की कार्रवाई प्रारंभ की गई है और वहां भी एक भव्य प्रतिमा स्थापित की जाएगी।

मथुरा में बंदरों के आतंक,डीएम का चश्मा ले भागा बन्दर

लखनऊ। यूपी के मथुरा में बंदरों आतंक इतना बढ़ गया है कि आम आदमी ही नहीं अफसर भी परेशान हैं। आए दिन बंदर कभी लोगों पर हमला कर देते हैं। इसी कड़ी में बंदरों के आतंक का शिकार इस बार डीएम हो गए। डीएम नवनीत चहल वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर का निरीक्षण करने पहुंचे। जब वह मंदिर के पास गए तो एक बंदर उनका चश्मा लेकर भाग गया। पुलिसकर्मियों के काफी मशक्कत के बाद बंदर से चश्मे को वापस लाया जा सका। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जब मथुरा के डीएम नवनीत चहल वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर पर निरीक्षण करने पहुंचे थे। डीएम जैसे ही मंदिर के पास पहुंचे तो अचानक से एक बंदर उनके चश्मे को लेकर भाग गया, जिसके बाद जब डीएम को अपना चस्मा गायब हुआ दिखा तो वहां तैनात पुलिसकर्मी लगातार उसे छुड़ाने के लिए भाग दौड़ करने में जुट गए।

ओपेन डे समारोह' में छात्रों ने दिखाई अपनी प्रतिभा

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, अशर्फाबाद कैम्पस द्वारा विद्यालय प्रांगण में आयोजित 'न्यू पैरेन्ट्स डे' एवं 'ओपेन डे समारोह' में नन्हें–मुन्हें छात्रों की बहुमुखी प्रतिभा देख अभिभावक गद्गद् हो गये। इस शानदार आयोजन में छात्रों ने अपनी बहुमुखी प्रतिभा प्रदर्शन करते हुए रचनात्मक सोच व विश्वव्यापी दृष्टिकोण का अद्भुद नजारा प्रस्तुत किया। समारोह में छात्रों के दादा–दादी व नाना–नानी को खास तौर आमन्त्रित किया गया था।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में पधारे अभिभावकों ने अशर्फाबाद कैम्पस का भ्रमण कर छात्रों के लिए उपलब्ध आधुनिक सुविधाओं का देखा, साथ ही छात्रों से बातचीत कर उनकी रचनात्मक सोच व सृजनात्मक क्षमता को सराहा। अभिभावकों ने छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु विद्यालय के प्रयासों की भूरि–भूरि प्रशंसा की। इससे पहले, प्रख्यात शिक्षाविद् डा. जगदीश गाँधी ने दीप प्रज्वलित कर 'न्यू पैरेन्ट्स डे' एवं 'ओपेन डे समारोह' विधिवत् उद्घाटन किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में डा. गाँधी ने कहा कि हमारा प्रयास है कि छात्रों को भौतिक, सामाजिक और आध्यात्मिक, तीनों प्रकार की शिक्षा प्रदान कर उसका सर्वांगीण विकास किया जाए एवं उनमें इतना आत्मबल भरना है कि वे आने वाले कल की सभी चुनौतियों का सामना कर सकें। उन्होंने अभिभावकों को स्कूल की गतिविधियों में रूचि लेने के लिए धन्यवाद दिया व सभी छात्रों के उत्साहवर्धन हेतु आभार व्यक्त किया। समारोह का शुभारम्भ सर्व–धर्म व विश्व शांति प्रार्थना से हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के छात्रों ने रंगारंग शिक्षात्मक–सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर समारोह में चार–चांद लगा दिये।

आज से अधीनस्थ कृषि सेवा संघ उप्र का क्रमिक अनशन

लखनऊ। प्रदेश के किसानों के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध कृषि विभाग के प्राविधिक सहायकों की निरन्तर उपेक्षा से क्षुब्ध होकर अधीनस्थ कृषि सेवा संघ उ0प्र0 के आवाह्न पर दिनांक 22–08–2022 से 24–08–2022 तक कृषि भवन लखनऊ पर क्रमिक अनशन धरना प्रदर्शन किया जायेगा। संगठन के प्रान्तीय अध्यक्ष राधारमण मिश्र ने बताया कि तकनीकी कर्मचारियों की वेतन विसंगति कई वर्षो से विचाराधीन है, जिस पर सरकार द्वारा कोई निर्णय नहीं लिया जा रहा है। साथ ही वर्तमान आवश्यकता के अनुसार पदों का पुनर्गठन बहुत ही जरूरी है। महामंत्री अम्बा प्रकाश शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव उ0प्र0 शासन के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद रिक्त पदों पर पदोन्नति नहीं की जा रही है और 10 माह पूर्व पदोन्नति कर्मचारियों को विभाग तैनाती नहीं कर पाया है। कोषाध्यक्ष श्री फईम अख्तर ने बताया कि अवशेष बीज को लेकर कर्मचारियों का उत्पीड़न निरन्तर जारी है, प्रदेश के कुछ जनपदों से स्थानान्तरित कर्मचारियों को कार्यमुक्त नहीं किया जा रहा है, जिससे कर्मचारी मानसिक रूप से परेशान है। इसी प्रकार की संवर्ग की विभिन्न समस्याओं को लेकर संगठन को बाध्य होकर आन्दोलन के लिए विवश किया गया है। 24 अगस्त को कृषि निदेशक उ0प्र0 के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री जी को ज्ञापन प्रेषित किया जायेगा। अगर कोई परिणाम नहीं निकलता है तो कार्य बहिष्कार, भूख हड़ताल एवं आमरण अनशन जैसा निर्णय लेने के लिए विवश होना पड़ेगा। जिसकी पूर्ण जिम्मेदारी शासन व प्रशासन की होगी।

भाजपा राज में सर्वाधिक पीड़ित प्रदेश का किसान : अखिलेश

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार के अब तक के रिपोर्टकार्ड में केवल भाजपा के नेताओं की प्रतिमाएं खड़ी करने का ही काम है। भाजपा सरकार को आए पांच वर्ष पांच महीने हो चुके हैं पर उसके कार्यकाल में उत्तर प्रदेश में विकास की एक भी ईंट नहीं रखी गई है। ट्यूबवेल के बिजली कनेक्शन नहीं कटने के जबानी निर्देश से तो कुछ होने वाला नहीं। सरकार को किसानों के बिजली के बिल माफ करने चाहिए। बिजली बिल वसूली के लिए छापेमारी से उसे प्रताड़ित किया जा रहा है। अखिलेश यादव ने रविवार को कहा कि भाजपा राज में सर्वाधिक पीड़ित प्रदेश का किसान है।उसे हर तरह से छला जा रहा है। बाढ़ और सूखा दोनों से वह परेशान है पर सरकार केवल बयानबाजी से ही समस्याओं का समाधान कर देने की नौटंकी कर रही है। भाजपा सरकार अपने पिछले पूरे कार्यकाल में स्थितियों का केवल आंकलन कर पाई है। लगभग 52 जिलों पर सूखे की काली छाया मंडरा रही है। खरीफ फसल बुरी तरह प्रभावित है। बड़ी तादात में बोवाई नहीं हो पाई। अखिलेश यादव ने कहा बाढ़ और सूखा को अब प्राकृतिक आपदा कहकर भाजपा सरकार अपना बचाव नहीं कर सकती है। पांच साल से अधिक समय बीत जाने के बावजूद उसने कृषि संकट से उबरने और आपदा प्रबंधन के लिए कुछ नहीं किया है। जब संकट गहराया है तो समय रहते व्यापक इंतजाम करने के बजाय सरकार फिर तरह–तरह के बहाने बनाने लगी है। तत्काल आवश्यकता तो यह है कि किसानों की फसलों का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) मिले। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार जनकल्याण के लिए नहीं सिर्फ सत्ता में बने रहने के लिए षड्यंत्र करती रहती है।

युवती से छेड़छाड़ के आरोपी को गुडम्बा पुलिस ने पकड़ा

लखनऊ। लखनऊ कमिश्नरेट के 4 थानों की पुलिस नाका, पारा, मड़ियाव और गोमती नगर पुलिस ने बलात्कार के आरोपियों को गिरफ्तार किया तो गुडम्बा पुलिस ने छेड़खानी के मुकदमे में वांछित चल रहे आरोपी को गिरफ्तार किया है। नाका पुलिस में शाहजहांपुर के रहने वाले सूरज कुमार उर्फ आयुष को गिरफ्तार किया है सूरज पर आरोप है कि उसने नाबालिग किशोरी के साथ बलात्कार किया था। पारा पुलिस के द्वारा गायत्री पुरम पारा के रहने वाले सुशमेंद्र कुमार उर्फ बंटी को गिरफ्तार किया गया है बंटी पर आरोप है कि उसने एक महिला को शादी का झांसा देकर उससे बलात्कार किया और गर्भवती होने पर दवा खिलाकर उसका गर्भपात करा दिया और महिला के जेवर और नकदी लेकर भाग गया था पीड़िता के द्वारा मुकदमा दर्ज कराया गया तो पारा पुलिस ने सुशमेंद्र कुमार को गिरफ्तार कर लिया। उधर मड़ियांव पुलिस के द्वारा सेमरा गौड़ी मड़ियाव के रहने वाले सत्येंद्र कुमार को गिरफ्तार किया है।

पारा में घर में अकेली रह रही महिला की गला दबाकर हत्या

लखनऊ। लखनऊ कमिश्नरेट के दक्षिण जोन अंतर्गत पारा थाना क्षेत्र के मर्दन खेड़ा में अपने घर में अकेली रहने वाली एक 55 वर्षीय महिला की आज गला घोट कर हत्या कर दी गई। घर में अकेली रहने वाली महिला की हत्या की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। डीसीपी दक्षिण का कहना है कि प्रथम दृष्टया प्रॉपर्टी विवाद की बात सामने आई है पूरे मामले की जांच जारी है। जानकारी के अनुसार पारा थाना क्षेत्र के मर्दन खेड़ा मोहल्ले में अपने घर में अकेली रहने वाली 55 वर्षीय चंद्रावती यादव कि उन्हीं के घर के बेड पर आज लाश पड़ी मिली। चंद्रावती यादव की हत्या की सूचना उनके रिश्ते के दामाद संदीप यादव के द्वारा पुलिस को दी गई तो पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई । डीसीपी राहुल राज का कहना है कि मृतक चंद्रावती यादव के पति गणेश प्रताप यादव का देहांत हो चुका है और चंद्रावती की कोई संतान नहीं है उनका कहना है कि मृतिका के शरीर पर चोट के गंभीर जाहिरा निशान नजर नहीं आ रहे हैं परिजनों के मुताबिक उनके घर से कुछ सामान भी गायब होने की बात डीसीपी ने कही है। इंस्पेक्टर पारा दधिबल तिवारी ने बताया कि मृतिका चंद्रावती यादव के रिश्ते के दामाद संदीप यादव की तहरीर पर अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया जा रहा है उन्होंने बताया कि चंद्रावती की कोई संतान नहीं थी उन्होंने अपनी बहन की पुत्री दीपमाला को गोद लिया था जिसका विवाह संदीप के साथ हुआ था। इंस्पेक्टर ने बताया कि प्रथम दृष्टया चंद्रावती यादव की हत्या गला दबाकर की गई है उन्हें बताया कि पूरे मामले की जांच की जा रही है बताया जा रहा है कि रविवार की सुबह मृतिका चंद्रावती यादव की गोद ली हुई बेटी दीपमाला का पति संदीप यादव घर आया था संदीप ने देखा कि चंद्रावती यादव की लाश उनकी घर पर पड़ी हुई थी। संदीप यादव के द्वारा पुलिस को सूचना दी थी। हालांकि मृतिका के रिश्तेदारों का कहना था कि चंद्रावती यादव के शरीर के जेवर गायब थे और उनकी अलमारी भी खुली हुई थी लेकिन इंस्पेक्टर पारा लूटपाट की किसी भी घटना से इंकार कर रहे हैं उनका कहना है कि मृतिका चंद्रावती यादव के घर से कोई भी सामान गायब नहीं हुआ है। पुलिस सूत्रों के अनुसार चंद्रावती की हत्या के पीछे प्रॉपर्टी विवाद सामने आया है और पुलिस सूत्र बता रहे हैं कि हत्या के पीछे मृतिका चंद्रावती के कुछ करीबी रिश्तेदार शामिल हो सकते हैं पुलिस सूत्रों के अनुसार चंद्रावती की हत्या के मामले में पुलिस को अहम सुराग हाथ लग गए हैं और पुलिस चंद्रावती यादव हत्याकांड का जल्द खुलासा भी कर सकती है। पुलिस सूत्र यह भी बता रहे हैं कि मृतिका चंद्रावती यादव के पति के देहांत के बाद चंद्रावती अपने घर में अकेली रहती थी उनकी गोद ली हुई बेटी दीपमाला अपने परिवार के साथ उन्नाव में रहती थी इस बीच चंद्रावती के कुछ रिश्तेदारों का उनके घर भी आना जाना था । पुलिस सूत्रों के अनुसार चंद्रावती की हत्या के पीछे उनके कुछ करीबी रिश्तेदार शामिल हो सकते हैं। पुलिस सूत्रों के अनुसार चंद्रावती की हत्या का कारण संपत्ति विवाद ही हो सकता है क्योंकि चंद्रावती का कोई और प्रकरण सामने नही आया है। बहरहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है और उम्मीद है कि पुलिस इस हत्याकांड का जल्द खुलासा भी करेगी।

बीजेपी के सामने चुनौती नहीं,मोदी फिर बनेंगे पीएम : मौर्य

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में जो अपराध करेगा तो चाहे उसके संरक्षक अखिलेश यादव, मोहम्मद आजम खान या कोई गुंडा, अपराधी हो, वे उनको बचा नहीं पाएंगे। यह बात यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य अयोध्या में एक कार्यक्रम में शिरकत करने के बाद मीडिया से रूबरू होकर कही। डिप्टी सीएम ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी कोई प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी नहीं है, सबसे बड़ी पार्टी है और परिपक्व नेतृत्व है। मथुरा हादसे पर कहा, घटना दुर्भाग्यपूर्ण है, ऐसा नहीं होना चाहिए, आवश्यक उपाय किए जाएंगे। डिप्टी सीएम ने अयोध्या के सांसद लल्लू सिंह की चिट्ठी पर भी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कार्रवाई तो होगी। अयोध्या में जमीन कब्जा कर अवैध रूप से बिक्री करने वाले भू माफियाओं पर डिप्टी सीएम ने कहा कि जहां पर भी किसी गरीब ने अवैध कब्जा कर रखा है उसको कब्जा नहीं कहेंगे, वह अपने जरूरत के हिसाब से रह रहा है, उसको वैकल्पिक हिसाब करके दूसरे स्थान पर ले जाएंगे लेकिन अगर माफिया ने कब्जा किया है तो उसे खाली करा देंगे। जब पूछा गया कि अब्दुल्लाह आजम ने तो पुलिस प्रशासन को अल्टीमेटम तक दे डाला है ।क्या अखिलेश यादव खुद आजम के लिए आरपार की सियासी जंग शुरू कर सकते हैं। इसपर मौर्य ने कहा कि बहुत सारे लोग चुनौती देते हैं। कई ऐसे बयान दे देते हैं जिसपर हमें प्रतिक्रिया करने की जरूरत नहीं है लेकिन उत्तर प्रदेश में कोई अपराध करेगा तो चाहे उसके संरक्षक अखिलेश यादव, मोहम्मद आजम खान या कोई गुंडा, अपराधी, भू माफिया, नकल माफिया, शराब माफिया होगा वे उनको बचा नहीं पाएंगे।

गंगानगर का पुल कटान की चपेट में,सम्पर्क टूटा

लखनऊ। अमरोहा में हसनपुर तहसील के गंगानगर के पुल का गंगा नदी में जलस्तर बढ़ने के कारण कटान से संपर्क टूट गया। उत्तर प्रदेश स्थित अमरोहा से जहां पहाड़ी क्षेत्रों में पड़ रही बारिश के बाद गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है।

अमरोहा जिले से होकर गुजर रही गंगा नदी के किनारे भी से सैकड़ों गांव बसे हैं। इसको लेकर रविवार को जिलाधिकारी बीके त्रिपाठी ने संबंधित अधिकारियों को गंगा किनारे के इलाकों में विशेष चौकसी बरतने के निर्देश दिए हैं।गंगा किनारे बसे गांव के ग्रामीणों को मुनादी कराकर नदी किनारे जाने से मना किया गया है।

सुबह ही हसनपुर तहसील के गंगानगर के पुल का भी गंगा के कटान से संपर्क टूट गया, जिससे दर्जनों गांव के लोगों को आना जाने के लिए कड़ी मशक्कत का सामना करना पड़ेगा।

रैपिड रेल और कानपुर व आगरा मेट्रो के लिए 785 करोड़

लखनऊ। राज्य सरकार ने रैपिड रेल और कानपुर व आगरा मेट्रो रेल परियोजना को तय समय के अंदर पूरा कराने के लिए 785 करोड़ रुपये दिए हैं। प्रमुख सचिव आवास नितिन रमेश गोकर्ण ने परियोजना देख रहे अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे तय समय के अंदर काम को पूरा कराएं। दिल्ली–गाजियाबाद–मेरठ के बीच रीजनल रैपिड ट्रांजिट परियोजना पर काम चल रहा है। इस परियोजना में रैपिड रेल चलाई जाएगी जिसका फायदा एनसीआर में रहने वालों को मिलेगा। राज्य सरकार को परियोजना के लिए 1306 करोड़ रुपये देने हैं। इसके लिए पहले कई चरणों में पैसे दिए जा चुके हैं। अब 450 करोड़ रुपये दिए गए हैं। आवास विभाग ने प्रबंध निदेशक राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम को यह धनराशि भेज दी है। इसी तरह कानपुर मेट्रो रेल परियोजना के लिए 186.75 करोड़ और आगरा मेट्रो को 149.25 करोड़ रुपये दिए गए हैं। प्रमुख सचिव आवास ने मेट्रो रेल कार्पोरेशन के प्रबंध निदेशक को निर्देश दिया है कि परियोजना के कामों को तय समय के अंदर पूरा किया जाए। आगरा में परियोजना के लिए जहां भी जमीन की बाधा आ रही है उस बाधा को दूर करने संबंधी प्रस्ताव जल्द ही कैबिनेट से पास कराने की तैयारी है।

जालसाजों ने छह के खाते से 4.61 लाख उड़ाए

लखनऊ। साइबर जालसाजों ने छह लोगों के खाते से खातों से 4.61 लाख रुपये उड़ा लिए। पीड़ितों की तहरीर पर पुलिस मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल कर रही है। इन्दिरानगर सी–ब्लॉक निवासी इशांत सिंघल के पास बीते गुरुवार को एक कॉल आई। जालसाज ने बातों में उलझाकर खाते की डिटेल ले ली। कुछ ही देर में इंशांत के खाते से 2.50 लाख रुपये निकल गए। वहीं इन्दिरानगर के ही सेक्टर–14 निवासी सैयद मोहम्मद महमूद के पास जालसाज ने बैंककर्मी वार्षिक मेंटिनेंस के रूप में पांच हजार रुपये जमा करने को कहा। मोहम्मद महमूद ने मना करते हुए कार्ड ब्लॉक करने की बात कही। इसपर दूसरे नम्बर से कॉल आयी। जालसाज ने कार्ड ब्लॉक कराने का झांसा देकर खाते की जानकारी हासिल कर ली। कुछ ही देख में खाते से 41,740 रुपये निकल गए। वहीं, गोमतीनगर विस्तार के खरगापुर स्थित गंगोत्री विहार निवासी विजयशंकर के खाते से जालसाज ने खाते से 99,999 रुपये पार कर दिए। साथ ही विकासनगर के पिकनिक स्पॉट रोड स्थित कमला नेहरुनगर निवासी सौरभ कुमार सिंह के खाते से दो बार में 35 हजार रुपये निकल गए।

डॉ. राजेश्वर सिंह ने वरिष्ठ नागरिकों को चाँदी का राम दरबार भेंट कर किया सम्मानित

प्रयाग दर्पण संवाददाता

लखनऊ। विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस के अवसर पर रविवार को सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र में वरिष्ठ नागरिक सम्मान समारोह एवं 'वर्तमान समाज में वरिष्ठ नागरिकों की भूमिका' पर आयोजित परिचर्चा का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह सम्मिलित हुए। वृंदावन स्थित ए. एल. एस. अकादमी सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. राजेश्वर सिंह ने दीप प्रज्वलित कर किया व उपस्थित वरिष्ठ नागरिकों को स्मशति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। डॉ. सिंह ने सभी वरिष्ठ नागरिकों को चांदी का राम दरबार उपहार स्वरूप भेंट किया। कार्यक्रम में खरिका–2 वार्ड निवासी संतोष सिंह सेंगर ने विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह को 11 किलो वजन का पीतल का गदा भेंट किया। इस दौरान श्वर्तमान समाज में वरिष्ठ नागरिकों की भूमिका पर परिचर्चा की गयी और विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने अपने विचार रखें। उन्होंने कहा कि वरिष्ठजनों की सोच, समझ और अनुभव हमारे लिए बहुमूल्य हैं। बड़े–बुजुर्गों के लिए समय, सम्मान और संवेदनशीलता ये तीनों चीजें बेहद आवश्यक है, युवा पीढ़ी को चाहिए कि वरिष्ठजनों को ये तीनों चीजें दें। डॉ राजेश्वर सिंह ने कहा कि देश अपनी आजादी की 75वीं वर्ष गाँठ को अमश्त महोत्सव के रूप में मना रहा है। जब भारत आजाद हुआ था तब देश में मात्र 12 प्रतिशत साक्षरता दर थी और अब साक्षरता दर बढ़ कर 74 प्रतिशत हो गई है। इसमें हमारे वरिष्ठ नागरिकों का बड़ा योगदान है। तब देश के 80 प्रतिशत लोग गरीब थे आज यह प्रतिशत कर 21 प्रतिशत पर रह गया है। डॉ. सिंह ने कहा कि जब अंग्रेज हिंदुस्तान छोड़ कर गए थे तब देश में खाद्य उत्पादन मात्र 50 मिलियन टन होता था जो आज 300 मिलियन टन से ज्यादा है। आज भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, देश की ळक्ट 8. 5 प्रतिशत है। आजादी के समय देश में मात्र 1,026 करोड़ का रिजर्व धन था, लेकिन आज विश्व में चौथा सबसे बड़ा विदेशी मुद्रा भंडार भारत में 43 लाख करोड़ का है। उस वक्त देश में एक व्यक्ति की औसत आयु 35 वर्ष थी जो कि अब बढ़कर 70 वर्ष हो गई है। वर्ष 1950 में केवल 54 मिलियन टन कृषि उत्पादन होता था जो आज बढ़कर 305 मिलियन टन पर पहुँच गया है, हम कृषि निर्यात में अग्रणी हैं इसका श्रेय भी हमारे वरिष्ठ नागरिकों को जाता है जिन्होंने अपने परिश्रम से देश को सींचा है। डॉ. सिंह ने कहा कि हमें आपके विचार हमारे लिए अनमोल है। आपके अनुभवों का क्षेत्र, प्रदेश व देश के विकास के लिए इस्तेमाल करना है। सीनियर 100 प्रतिशत पेंशन कवर होना चाहिए, 100 प्रतिशत हेल्थ इंश्योरेंस होना चाहिए और उन्हें रोजगार के अवसर प्राप्त हो जब तक वो कार्य करना चाहे। समाज, प्रदेश ओर देश को आगे ले जाने में अपना सहयोग करें।

महाकाल मंदिर में मना श्रीकृष्ण प्राकट्योत्सव

लखनऊ। गीता परिवार की ओर से राजेन्द्रनगर स्थित महाकाल मंदिर में श्रीकृष्ण प्राकट्योत्सव धूमधाम से मनाया गया। रविवार को श्रीकृष्ण प्राकट्योत्सव पर माखनचोर लीला, रासलीला, फूलों की होली, लड्डमार होली, नटखट कान्हा की विविध लीलाओं, मटकी फोड़ स्पर्धा, श्रीराधाकृष्ण नश्त्य नाटिका, वेषभूषा स्पर्धा और श्रीकृष्ण प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के संयोजक अनुराग पांडेय ने बताया मटकी फोड़ कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बच्चों ने धमाल मचाया और कान्हा ने 21 फीट ऊंची मटकी को फोड़ा। भगवान के जन्मोत्सव पर मंदिर को बिजली की झालरों, गुब्बारे और रंग–बिरंगे फूलों से सजाया गया था। नंद के घर आनंद भयो जय कन्हैयालाल कीकृकृ के जयकारों के मध्य श्रीकृष्ण जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। नन्हें–मुन्ने बच्चे कृष्ण, राधा व ग्वाल–बाल की रंगबिरंगी परिधानों में वेशभूषा स्पर्धा में नजर आए।

पार्टी को ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए संघर्षशील और जुझारू अध्यक्ष थे मौलाना मेराज

प्रयाग दर्पण संवाददाता

बाराबंकी। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष रहते हुए जनपद की सभी विधानसभा सीटें जीत कर एक नया इतिहास लिखने वाले पार्टी के विस्तार के लिए हमेशा संघर्ष करते हुए सभी नेताओं कार्यकर्ताओं को साथ लेकर चलने की अद्भुत कला मे माहिर सच्चे समाजवादी साथी थे स्वर्गीय मौलाना मेराज अहमद। उक्त विचार पूर्व प्रदेश महासचिव पूर्व कैबिनेट मंत्री अरविंद कुमार सिंह गोप ने आज जिला पार्टी कार्यालय पर सपा के लगातार 20 साल अध्यक्ष रहे स्वर्गीय मौलाना मेराज अहमद साहब की पुण्यतिथि पर जिला अध्यक्ष हाफिज अयाज अहमद की अध्यक्षता एवं जिला कोषाध्यक्ष प्रीतम सिंह वर्मा के संचालन में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में मौलाना मेराज अहमद के चित्र पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित करने के पश्चात उपस्थित पार्टी पदाधिकारी कार्यकर्ताओं के बीच में व्यक्त किए।श्री गोप ने कहा कि स्वर्गीय मौलाना मेराज अहमद निरंतर पार्टी को ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए संघर्ष करते रहते थे। वह इतने

संघर्षशील और जुझारू अध्यक्ष थे कि उनके कार्यकाल में बाराबंकी जनपद के कार्यकर्ताओं ने मौलाना साहब के नेतश्त्व में जनपद के सभी छह की छह विधानसभा सीटें जीत कर जिले में नया इतिहास लिखने का काम किया था। सभी कार्यकर्ताओं के सुख दुख में हमेशा उनके कंधे से कंधा मिलाकर खड़े होने वाले एक मिलनसार व्यक्तित्व थे। उनका असमय जाना मेरी व्यक्तिगत हानि है। हम सबको उनकी बातों को अनुसरण करते हुए 2024 के चुनाव के लिए उसी तरह की मेहनत व संघर्ष करना है। श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए पूर्व कैबिनेट मंत्री राकेश वर्मा ने कहा कि स्वर्गीय मौलाना मेराज के साथ मेरे आत्मीय रिश्ते थे वह हमारे पिताजी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करने का कार्य करते थे हम उनको बचपन से देखते आ रहे हैं वो बहुत ही संघर्षशील कर्मठ और जुझारू अध्यक्ष थे। उनके बताए हुए रास्तों पर चलकर ही हम उस मुकाम को पा पाएंगे जिस मुकाम को मौलाना ने स्थापित किया है। श्रद्धांजलि सभा में सदर विधायक धर्मराज सिंह उर्फ सुरेश यादव, जिला अध्यक्ष हाफिज अयाज अहमद, पूर्व विधायक राम गोपाल रावत, पूर्व एमएलसी अरविंद यादव, पार्टी के वरिष्ठ नेता अलीम किदवई, हुमायूं नईम खान, पूर्व जिला अध्यक्ष डॉ कुलदीप सिंह, जिला उपाध्यक्ष पंडित रामचंद्र मिश्रा, कामता प्रसाद यादव, राजेंद्र वर्मा पप्पू, अजय वर्मा बबलू, हिमांशु यादव मोहम्मद सबाह, जिला कोषाध्यक्ष प्रीतम सिंह वर्मा, पूर्व प्रमुख हसमत अली गुड्डू, जिला प्रवक्ता वीरेंद्र प्रधान ने भी संबोधित किया। श्रद्धांजलि सभा में मुख्य रूप से पूर्व चेयरमैन हफीज भारती, सुरेश चंद गौतम, श्रीमती सरोज मौर्य, आशीष सिंह आर्यन, जसवंत यादव, उमाकांत यादव आदि प्रमुख कार्यकर्ता और पदाधिकारी ने स्वर्गीय मौलाना मेराज के उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

डॉ राकेश गुप्ता को रूपशुधन संबशद्धि इंडिया अवॉर्ड से किया गया सम्मानित

अयोध्या। आजादी के अमश्त महोत्सव के उपलक्ष्य में पशुधन प्रहरी की ओर से देश भर के 75 पशुचिकत्सकों को उनके उत्कृष्ट कार्य के आधार पर सम्मानित किया गया। आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अंतर्गत पशुचिकत्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय के पशु विकृति विभाग के डॉ राकेश कुमार गुप्ता को भी पशुचिकत्सा क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर टीम पशुधन प्रहरी के चयन मंडल द्वारा चयनित किया गया। उन्हें पशुधन संबशद्धि इंडिया अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। चयन मंडल में ख्याती प्राप्त पशुचिकित्सा वैज्ञानिक डॉ नागेंद्र शर्मा, भारतीय पशु चिकित्सा परिषद् के अध्यक्ष डॉ उमेश शर्मा, पशु वैज्ञानिक डॉ जी. देवगौड़ा, डॉ के. रवि कुमार और डॉ राजेश कुमार सिंह हैं। इस अवॉर्ड से सम्मानित होने वाले डॉ गुप्ता अयोध्या के एकमात्र पशुचिकित्सक हैं। इस उपलब्धि पर उन्हें पशुचिकित्सा महाविद्यालय के कई पशुचिकित्सको डॉ देवाशीष नियोगी, डॉ कृष्णकांत त्रिपाठी, डॉ धर्मप्रकाश श्रीवास्तव, डॉ सत्यव्रत सिंह, डॉ सोनू जायसवाल आदि ने बधाई दी।

सपा कार्यकर्ताओं का उत्पीड़न नहीं किया जाएगा बर्दाश्त

गोण्डा। समाजवादी पार्टी के पूर्व एमएलसी और गोंडा प्रभारी राजेश यादव के नेतृत्व में सदस्यता अभियान चलाया गया। सैकड़ों लोगों ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता ली। वहीं सदस्यता अभियान के दौरान लोगों द्वारा समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं पर पुलिस द्वारा उत्पीड़न की बात कही गयी। पूर्व मंत्री योगेश प्रताप सिंह ने कहा कि यदि किसी भी कार्यकर्ता का पुलिस द्वारा नाजायज उत्पीड़न किया गया तो, समाजवादी पार्टी अपने कार्यकर्ताओं के साथ हमेशा खड़ी रही है। साथ ही हमेशा खड़ी मिलेगी। अपने कार्यकताओं के साथ हर तरह से सबसे आगे खड़ा मिलूंगा। किसी तरह का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पार्टी के सदस्यता अभियान के प्रभारी राजेश यादव पूर्व सदस्य विधान परिषद ने कहा कि बीजेपी सरकार बनने के बाद लगातार सपा कार्यकर्ताओं का उत्पीड़न किया जा रहा है। लेकिन अब सपा कार्यकर्ताओं के उत्पीड़न को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उत्पीड़न होने पर अगर कार्रवाई नहीं होती हो तो आंदोलन किया जाएगा। आपने देखा होगा किस तरीके से आजम खान के ऊपर फर्जी मुकदमे लिख कर उनको जेल भेजा गया था। लेकिन इस तरीके से बीजेपी सरकार कब तक करती रहेगी। हम सभी लोगों को एक होकर इसके खिलाफ आवाज उठाना होगा। आप सपा के इस अभियान से जुड़िए और बीजेपी सरकार के खिलाफ बोलिये। सदस्यता अभियान के दौरान पूर्व क्षेत्रीय विधायक व मंत्री योगेश प्रताप सिंह,निवर्तमान जिला अध्यक्ष समाजवादी पार्टी आनंदस्वरूप 'पप्पू ' यादव सहित पार्टी के अन्य तमाम निवर्तमान पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं के साथ सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरे

गल्ला ब्रोकर के साथ धोखाधड़ी करने के मामले में केस दर्ज

बहराइच। एक गल्ला ब्रोकर ने किसानों का तीन सौ टन गेहूं लेकर दो गल्ला कारोबारियों के हाथ बेंचा, जिसका धन बकाया कर दिया ।कारोबारियों ने अनाज बेंच दिया। काफी समय बाद बकाया धन मांगे जाने पर कारोबारियों ने धन देने से इनकार कर दिया। पीड़ित ब्रोकर ने तीन महिलाओं सहित सात को नामजद कर धोखाधड़ी की धाराओं में केस दर्ज कराने को तहरीर दी थी। पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर लिया है। नगर कोतवाली के अकबरपुर निवासी अहसन अब्बास पुत्र प्यार मियां गल्ला कारोबार में ब्रोकर का कार्य करते हैं। उनका दो गल्ला कारोबारियों के साथ लंबे समय से कारोबार चलने की वजह से उनपर विश्वास जम गया। अहसन के मुताबिक उन्होंने दरगाह थाने के सलारगंज थाने के दोनों कारोबारियों को किसानों से लेकर तीन सौ टन गेहूं की आपूर्ति की। जिसका कारोबारियों ने 63 लाख रुपये बकाया कर दिया। 23 जुलाई को अहसन ने जब कारोबारियों से बकाया धन मांगा, तो कारोबारियों ने बताया कि वह नेपाल के कैसीनों में दो करोड़ धन हार गए हैं। इसलिए अब बकाया रकम नहीं दे पाएंगे। पता चला कि गेहूं बिक्री कर धन अन्य कारोबार में लगा दिया है। पीड़ित ने दरगाह थाने में केस दर्ज किए जाने को तीन महिलाओं सहित सात को नामजद कर 27 जुलाई को तहरीर दी थी।

11 किलो वाट की चोरी पकडी गई, मुकदमा दर्ज

ckjkcdhA उत्तर प्रदेष मध्यांचल विद्युत वितरण बाराबंकी द्वारा एसडीओ दिनेष प्रजापति एवं जेई अनिल पाल के नेत्रत्व में मॉर्निंग रेड की गई। सुरजीत पुत्र रामचंद्र यादव जबरीकला पोस्ट माधवपुर के 2 किलो वाट, चंद्रपाल सिंह पुत्र मुन्ना सिंह जबरीकला पोस्ट माधवपुर 4 किलो वाट, सूरज पाल सिंह पुत्र मुन्ना सिंह जबरीकला पोस्ट माधवपुर 2 किलो वाट, कलीमुद्दीन पुत्र श्री निहालउद्दीन 1 किलो वाट, मुस्लिमीन पुत्र स्वर्गीय फुरकान अली 1 किलोवाट, षिवराज सिंह पुत्र रामचंद्र 1 किलो वाट सहित कुल 11 किलो वाट की बिजली चौरी पकडी गई। अधीशासी अभियन्ता आयुश्मान यादव ने बताया कि सभी के विरूध धारा 135 में मुकदमा पंजीकष्त करवा दिया गया है।

सरकार की योजनाये गरीबों के लिए वरदान हो रही है साबित

रामसनेहीघाट,बाराबंकी। क्षेत्र के भिटरिया में हुए सामूहिक कन्या विवाह के लाभार्थियों को उत्तर प्रदेश सरकार राज्यमंत्री सतीश चन्द्र शर्मा ने उपजिलाधिकारी विजय कुमार त्रिवेदी के साथ सरकारी उपहार के रूप में दैनिक उपयोग के सामान वितरित कर उज्जवल भविष्य की शुभकामनाए दी।

बाबा रामसनेहीघाट कल्याणी नदी तट पर स्थित पीडब्ल्यूडी के डाक बंगले पर आयोजित सादे कार्यक्रम में समाज कल्याण विभाग के सौजन्य से मुख्यमंत्री सामूहिक कन्या विवाह योजना के तहत लाभार्थियों को एक एक अटैची, बाल्टी, पगड़ी आदि के साथ ही एक चांदी का गहना भी दिया गया। इन लाभार्थियों की शादी तीन महीने पहले भिटरिया स्थित छोटी हनुमान गढ़ी मंदिर पर कार्यक्रम आयोजित हुआ था। मंदिर पर हर साल सामूहिक कन्या विवाह का आयोजन किया जाता है। जिसमें आयोजन समिति बारातियों जनातियो के रहने खाने आदि की व्यवस्था करती है।

बीएसए ने प्रिंसिपल को किया निलंबित, 15 अगस्त को बाहरी युवक से कराया था डांस

गोण्डा। गोंडा में बीते 15 अगस्त को फिल्मी अश्लील गाने पर एक युवक शराब के नशे में डांस कर रहा था। नाबालिग बच्ची के साथ डांस का वीडियो वायरल हुआ था। इस खबर को दैनिक भास्कर ने प्रमुखता से चलाया था। अब इस खबर का असर हुआ है। मामले की जांच बीएसए को सौंपी गई थी। जिसके बाद प्रधानाध्यापक को निलंबित कर दिया गया है। बीते 15 अगस्त को सभी प्राथमिक विद्यालय में देशभक्ति गानों पर डांस हुए। वहीं दूसरी तरफ प्राथमिक विद्यालय बढौलीपुर में एक युवक का (मैं नशे में टल्ली हो गया की करिए की करिए नैनों में किसी के खो गया) गाने पर नाबालिक बच्ची के साथ डांस करते हुए वीडियो वायरल हुआ था। शराबी युवक फिल्मी गाने पर डांस करता रहा और विद्यालय के प्रधानाध्यापक मना तक नहीं कर पाए थे। उसे माइक से शाबाशी दे रहे थे। स्वतंत्रता दिवस पर मर्यादा का उल्लंघन किया गया था। यहां पर छात्रों की ओर से आयोजित कार्यक्रम में बाहरी लोगों ने अश्लील गाने पर डांस किया। इसकी जानकारी जब बीएसए को हुई तो उन्होंने पूरे मामले की जांच खंड शिक्षा अधिकारी बभनजोत अंजनी कुमार सिंह से कराई। स्वतंत्रता दिवस की मर्यादा का उल्लंघन का दोषी प्रधानाध्यापक गुलाम हुसैन को माना गया। बीएसए अखिलेश प्रताप सिंह ने प्रधानाध्यापक को निलंबित कर दिया है।

वन रक्षक एवं वन्य जीव रक्षक परीक्षा संपन्न, 7758 परीक्षार्थियों ने दी परीक्षा, 8298 रहे अनुपस्थि

गोण्डा। रविवार को गोंडा में वन रक्षक एवं वन्य जीव रक्षक परीक्षा–2019 कड़ी सुरक्षा के बीच सकुशल संपन्न हुई। जनपद में कुल 16056 बच्चों को परीक्षा देनी थी। जिसमें 7758 परीक्षार्थी शामिल हुए। वहीं 8298 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। जनपद में कुल 42 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। सभी परीक्षा केंद्रों पर स्टेटिक मजिस्ट्रेटों की तैनाती थी। डीएम डॉ. उज्ज्वल कुमार ने रोजवुड इंटर कॉलेज, सेंट थॉमस स्कूल अंबेडकर चौराहा, फखरुद्दीन अली अहमद राजकीय इंटर कॉलेज, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में चल रही परीक्षाओं का निरीक्षण किए। इस दौरान सभी कॉलेजों में व्यवस्थाएं चाक चौबंद मिली।

मारपीट में महिला का हुआ गर्भपात, पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

प्रयाग दर्पण संवाददाता

अयोध्या। मिल्कीपुर तहसील अंतर्गत अहरन सुवंश गांव में दबंगों में एक घर में घुसकर आग लगा दी। इसके बाद घर वालों के साथ मारपीट की। वहीं इस मारपीट में एक महिला का गर्भपात हो गया है। जिसका इलाज अस्पताल में चल रहा है। वहीं पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। बता दें कि अहरन सुवंश गांव निवासी किन्नीलाल पुत्र रजऊ निनाद ने पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि बीते 19 अगस्त को वह अपनी बेटी की शादी को लेकर अपने रिश्तेदारों सहित वर पक्ष के लोगों को शादी की तिथि सुनिश्चित किए जाने हेतु अपने घर बुलाया था। उसी बीच गांव के ही शारदा प्रसाद पुत्र अरहरदीन उनकी बेटी की शादी का विरोध कर रहे थे। उनको इस बात की जानकारी थी, जिसके चलते उन्होंने रुदौली कोतवाली क्षेत्र के काशीपुर निवासी अपने रिश्तेदारों कैप्टन एवं तेजवंत पुत्रगण हकीम एवं दिदिया पुत्र आसमान, राजेंद्र

पुत्र संदीप सहित खंडासा थाना क्षेत्र के मोहम्मद पुर गांव निवासी सलीम पुत्र राम मिलन और गांव के ही मकसूद पुत्र बिहारी तथा अपने पुत्र अच्छे के साथ किन्नीलाल के दरवाजे पर लाठी–डंडों से लैस होकर पहुंच गए थे। उक्त लोगों ने जमकर दबंगई करते हुए किन्नीलाल के परिवार सहित मौके पर मौजूद लोगों तथा घर की महिलाओं को भी जमकर दौड़ा–दौड़ा कर पीटा। इससे भी जी नहीं भरा तब हमलावरों ने आवासीय छप्पर में आग लगा दी। छप्पर में बंधी दो सूअर सहित रखे हुए गृहस्थी के सामान बर्तन, खाद्यान्न व कपड़े जलकर नष्ट हो गए। हमलावरों ने एक 8 माह की गर्भवती महिला नीलम पत्नी अमरीश को डंडों और ईट पत्थर से इतनी बेरहमी से पिटाई कर दी। गर्भवती महिला नीलम को अत्यधिक रक्तस्राव शुरू हो गया है।

गोलाघाट से किशोरी ने सरयू नदी में छलांग लगाई

बहराइच। बहराइच–लखनऊ हाईवे के गोलवा घाट पर रविवार दोपहर पुल पर घूम रही एक किशोरी ने अचानक नदी में छलांग लगा दी। लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने गोताखोरों की मदद से किशोरी को गंभीर व बेहोशी की हालत में निकलवा कर तत्काल मेडिकल कॉलेज भेजा गया। चिकित्सकों ने परीक्षण के बाद उसे मश्त घोषित कर दिया। शव की शिनाख्त नहीं हुई हैं।

देहात कोतवाली के बहराइच–लखनऊ हाईवे पर मरी माता मंदिर स्थित गोलवा घाट पुल पर रविवार लगभग 11 बजे एक किशोरी इधर उधर घूम रही थी। अचानक उसने पुल की रेलिंग पर चढ़ कर नीचे नदी में छलांग लगा दिया। उसे छलांग लगाते देख आसपास के लोगों ने शोर मचाया। किसी ने इसकी सूचना तिकोनी बाग पुलिस चौकी को दी। दरोगा दिवाकर तिवारी अफसरों को जानकारी देते हुए पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने गोताखोरों को नदी में उतारा।

सुख सुविधा न होने के बावजूद डिग्री हासिल करना सामान्य बात नही : राही

बाराबंकी। डॉ अम्बेडकर आर्थिक विपन्नता, चरम अनटचविलिटी के समय 32 डिग्रियां हासिल किया है और सिंबल ऑफ नॉलेज की उपाधि से जाने जाते हैं। यह सामान्य बात नही है। आज सभी सुख सुविधा प्राप्त करने के बाद भी एक डिग्री हासिल नही हो पाती। यह विचार जिले के मूर्धन्य साहित्यकार अधिवक्ता इकबाल ए राही ने नाका सतरिख स्थित डॉ अम्बेडकर पार्क में डॉ भीमराव अम्बेडकर मेमोरियल सेवा समिति व पार्क, स्मारक अनुरक्षण समिति की बैठक में व्यक्त किये। समिति के पदाधिकारियों ने श्री राही को उनकी रचित पुस्तक हिंदी राष्ट्र भाषा को सरकार द्वारा साहित्य सश्जना पुरस्कार से सम्मानित होने के उपलक्ष्य में नागरिक अभिनंदन किया। समिति के अध्यक्ष रत्नेश कुमार ने कहा कि प्रकृति ने दिन के 24 घंटे सभी को दिए हैं, लक्ष्य संधान व्यक्तित्व उन्ही घण्टो में ऐसा कार्य कर जाते हैं जिनसे समाज को दिशा मिलती है। इकबाल राही उन्ही व्यक्तित्व में से एक हैं जिन पर जनपद वासी गर्व करते हैं। समिति के महासचिव राम औतार ने बैठक का संचालन करते हुए कहा कि हर व्यक्ति को अपने समाज के लिए पे बैक टू सोसाइटी के फार्मूले पर कार्य करना चाहिए। बैठक में समिति के कोषाध्यक्ष गंगाराम, पदाधिकारी रमेश कुमार चौधरी, सचिव मंशाराम कनौजिया ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर योगाचार्य डॉ शशि कुमार अवस्थी ने योगाभ्यास कराया। इस मौके पर जेएल भास्कर, सहदेव प्रसाद, राम प्रगट कनौजिया, जियालाल, कमलेश कुमार गौतम, राम दयाल, कन्हैया लाल, सुरेन्द्र कुमार, सियाराम वर्मा आदि तमाम लोग उपस्थित रहे।

तेज रफ्तार कार गिरी नहर में, पानी के बहाव बह गए व्यापारी

बहराइच। तेज रफ्तार कार से शनिवार रात चालक का नियंत्रण खो गया। कार नहर पुल की रेलिंग तोड़ते हुए नहर में जा गिरी। कार का दरवाजा खुल जाने से कार चला रहा कारोबारी तेज प्रवाह पानी में बह कर लापता हो गया। दुर्घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीण वहां पहुंचे। पयागपुर के थानाध्यक्ष राजकुमार पांडेय पुलिस बल के साथ पहुंच गए। रविवार को सुबह पुलिस ने कार नहर से निकलवा लिया। गोताखोर लापता कारोबारी की तलाश कर रहे थे, इस बीच पता चला कि गोंडा जिले के खरगूपुर इलाके में लाश बरामद हुई है। पयागपुर थाने के मसड़ी चौराहा के पास शनिवार रात एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर नहर में गिर गई। कार चला रहा व्यक्ति नहर में बह कर लापता हो गया। लापता युवक श्रावस्ती जनपद के गिलौला निवासी 45 वर्षीय प्रमोद कुमार मिश्रा पुत्र देवी प्रसाद अपनी कार से सेवनाहे गांव आए हुए थे। वह रात लगभग 10 बजे से वहां से अपने घर गिलौला जा रहे थे। मसड़ी चौराहे के पास पहुंचे तो मोड़ पर उनकी कार अनियंत्रित होकर नहर में जा गिरी। नहर में तेज बहाव होने के कारण प्रमोद मिश्रा उसी में बह गए। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कार बाहर निकाल लिया है। गोताखोरों की मदद से नहर खंगाली जा रही थी। इस बीच सूचना मिली है कि नहर में बहे कारोबारी की लाश गोंडा जिले के खरगूपुर थाना क्षेत्र में नहर से बरामद हो गई है।

कामयाबी चाहिए तो बसीरत पैदा करों, इज्जत चाहिए तो किर्दार बुलंद करो : मौलाना हुसैनी

बाराबंकी। सालाना मजलिस ए अजा में निकला अलम व सबीहे ताबूत लोगों की ज्यारत। मातमी दस्ता जैदपुर ने की नौहा ख्वानी व सीनाजनी। मकसदे करबला को याद रखते हुए अमल करना राहे अजा है। जो हक़ को जानने के बाद भी न माने तो हमेशा जलील होता रहेगा। मुर्दा समाज को जीवन देने वाले को हुसैन कहते हैं, कुरआन इंसानों को इंसान बनाता है। कुरआन में कोई ऐब नहीं पाया जाता। परवरदिगार लोगों की हिदायत करता है। यह बात दशहराबाग स्थित मोहल्ला असद नगर हाजी सरवर अली के अजाखाने में सालाना मजलिस को खतिाब करते हुए बनारस से आये मौलाना सैयद अमीन हैदर हुसैनी ने कही। मौलाना ने कहा कि कामयाबी चाहिए तो अपने अन्दर बसीरत पैदा करो, इज्जत चाहिए तो किर्दार बलन्द करो। जो अल्लाह से डरता है वो किसी भी सुपर पावर से नहीं डरता। मजलिस का आगाज तिलावत ए कलाम ए पाक से मौलाना हिलाल अब्बास ने किया। जमीर अली जैदी व हमनवा ने बेहतरीन अन्दाज में शोज व सलाम पेश किए। मजलिस से पहले डॉक्टर रजा मौरानवी ने पढा कि गमे शब्बीर सुनकर दीदये तर रूक नहीं सकता, मेरी आखों के कूजों में समन्दर रूक नहीं सकता। अजमल किन्तूरी ने पढा आंधियों में जो जल रहा है चराग, बा इरादा मचल रहा है चराग। किसने पानी से कर दिया रौशन, अब अंधेरों को खल रहा है चराग। डाक्टर मुहिब रिजवी ने पढ़ा रवाबे तखहील ने जब अक्स तुम्हारा पाया, हमने मफहूम समन्दर से भी गहरा पाया। महदी नकवी ने पढ़ा कि चराग ए उल्फत ए सरवर जलाने वाले हैं, गरीब खाने को जन्नत बनाने वाले हैं। हाजी सरवर अली करबलाई ने पढ़ा आपसी झगड़ा सबब है कौम की तौहीन का, आपसी झगड़े भुलाकर अब बुराई रोकिये।

गोंडा में मिला श्रावस्ती के लापता व्यापारी का शव

गोण्डा। जिले के खरगूपुर थाना पुलिस ने शनिवार शाम से लापता श्रावस्ती जिले के एक गल्ला व्यवसायी का शव रविवार को बरामद किया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि श्रावस्ती जिले के गिलौला थाना क्षेत्र के निवासी गल्ला व्यापारी प्रमोद कुमार मिश्रा (53) शनिवार रात कार से अपनी ससुराल ग्राम सेनवाहे गए थे। उन्होंने बताया कि लौटते हुए मसड़ी चौराहे के पास स्टेयरिंग फेल होने से उनकी कार अनियंत्रित होकर सरयू नहर में गिर गई। स्थानीय लोगों की मदद से रविवार सुबह उनकी कार नहर से बाहर निकाली गई, लेकिन उनका पता नहीं चल सका। गिलौला थाना पुलिस ने उनकी तलाश में स्थानीय गोताखोरों का सहयोग लिया, लेकिन सफलता नहीं मिली। इस बीच रविवार दोपहर बाद गोंडा जिले के खरगूपुर थाना क्षेत्र के पिपरा चौबे गांव में सरयू नहर से उनका शव बरामद हुआ।

पुलिस ने 08 वारण्टी व 16 अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

प्रयाग दर्पण संवाददाता

बाराबंकी। जनपद में संदिग्ध व्यक्तियो वांछित अभियुक्तों वारंटियों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में बाराबंकी पुलिस द्वारा 08 वारण्टी व अन्य 16 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया तथा 57 अभियुक्तों के विरुद्ध शांतिभंग की धाराओं में कार्यवाही की गयी ।थाना रामसनेही घाट पुलिस द्वारा अभियुक्तगण 1. पिन्कू पाठक उर्फ प्रमोद कुमार पाठक पुत्र श्रीराम प्रकाश पाठक 2. चन्द्रशेखर पाठक उर्फ बलोले पुत्र स्व० अवध बिहारी पाठक निवासीगण कोटवा सड़क थाना रामसनेही घाट जनपद बाराबंकी को गिरफ्तार किया गया।

अभियुक्तगण के पास से कुल 106 ग्राम अवैध स्मैक बरामद कर थाना रामसनेही घाट पर मु०अ०सं० 458–459/2022 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत किया गया ।थाना जैदपुर पुलिस टीम द्वारा अभियुक्त गोविन्द पुत्र उदयराज निवासी

शेषपुर हकीम थाना जैदपुर जनपद बाराबंकी को आज रेवती पुलिया ग्राम मुरलीगंज से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के पास से 5 किलो पोस्ता का छिलका बरामद कर थाना जैदपुर पर मु०अ०सं० 359/2022 धारा 8/15 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत किया गया ।थाना लोनीकटरा पुलिस द्वारा अभियुक्त अनूप कुमार पुत्र जितेन्द्र कुमार निवासी बुधनई थाना कोठी जनपद बाराबंकी को भिलवल बाजार से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के कब्जे से चोरी किये गये माल एक अदद सिलेण्डर चूल्हा, 5 अदद समरसेबल, 04 अदद आरमेचर, 01 अदद प्रेस मशीन, एक बण्डल कापर का तार व 1050 रुपये बरामद किये गये। पूछताछ में प्रकाश में आया कि अभियुक्त ने 30 जुलाई 2022 की रात्रि में त्रिवेदीगंज चौराहा से इलेक्ट्रानिक की दुकान से सिलेण्डर व चूल्हा चुराया था तथा 18/19 अगस्त 2022 की रात्रि में भिलवल बस स्टाप के पास स्थित दुकान से समरसेबल, आरमेचर, प्रेस मशीन, कापर का तार व कबाड़ चोरी किया था जिसके सम्बन्ध में थाना लोनीकटरा पर क्रमशः मु०अ०सं० 254/2022 धारा 457, 380 भादवि व मु०अ०सं० 267/2022 धारा 380 भादवि पंजीकृत है।थाना देवा पुलिस टीम द्वारा मु०अ०सं० 430/2022 धारा 379/411 भादवि से सम्बन्धित अभियुक्तगण 1. रोशन अली पुत्र मुरली निवासी विशाल सिटी थाना ठाकुरगंज जनपद लखनऊ स्थायी पता लौली थाना संधना जनपद सीतापुर 2. रामदीन पुत्र देवीदयाल निवासी विश्वासनगर मल्लाहीपुरवा थाना ठाकुरगंज जनपद लखनऊ को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के कब्जे से चोरी किया हुआ एक अदद मिक्सर डायर मशीन बरामद किया गया। थाना कोतवाली नगर पुलिस द्वारा मु०अ०सं० 257/2022 धारा 419, 420, 467, 468, 471, 120बी भादवि व 66डी आईटी एक्ट से सम्बन्धित प्रकाश में आये अभियुक्त राजेश्वरी सिंह पुत्र रामअवध मौर्य निवासी दरवेशपुर थाना चन्दौली हाल पता ग्राम मुहम्दाबाद थाना चकिया जनपद चन्दौली को आज गिरफ्तार किया गया।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक, प्रकाशक स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य) द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1–ए, बेली रोड, नया कटरा, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर, 1269/1073 मां श्री आश्रम, मालवीय नगर, बाबा जी का बाग, प्रयागराज से प्रकाशित।

–: संस्थापक :–

स्व0 श्रीकांत शुक्ल उर्फ स्वामी कांतेश्वरानंद भारती काली बाबा

संपादक

स्वतंत्र कुमार शुक्ल (याग्यवल्क्य)

मोबाइल नंबर 9450475366

Email

prayagdarpan@gmail.com

R.N.I. NO.UPHIN/2014/59804

इस अंक में प्रकाशित समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।